मंगलवार
30 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बैजनाथपुर में आग लगने से डेढ़ दर्जन झोपड़ी व घर जले 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

मधुबनी व बेगूसराय में गरजे अमित शाह

देश को मजबूर नहीं मजबूत नेतृत्व चाहिए

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मधुबनी और बेगूसराय जिला में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के पास अगले पांच सालों के लिए प्रधानमंत्री पद का कोई एक चेहरा तक नहीं है। देश को मजबूर नहीं, मजबूत नेतृत्व चाहिए। उन्होंने झंझारपुर में रामप्रीत मंडल और बेगूसराय में गिरिराज सिंह के पक्ष में चुनावी सभा की। अमित शाह ने जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए जनादेश दिए जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मधुबनी जिला अंतर्गत फुलपरास विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर का सम्मान कांग्रेस और राजद की सरकारों ने नहीं किया। मगर, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित करके बिहार के समस्त पिछड़े समाज को सम्मान प्रदान किया।

अमित शाह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े समाज से आते हुए जो लोकप्रियता हासिल की, वो आज भी कई लोगों की ईर्ष्या का कारण बनी हुई है। गरीब घर से आने वाले कर्पूरी ठाकुर जी ने बिहार में गरीब, दलित और पिछड़ों की आवाज बुलंद की थी और गरीब चाय वाले के घर में जन्म लेने वाले मोदी जी भी देश भर के पिछड़ों, गरीबों, दलितों, आदिवासियों और वंचितों का कल्याण करने वाले नेता के रूप में उभरे हैं।

नरेंद्र मोदी को तीसरी बार बनाएं प्रधानमंत्री : शाह

अमित शाह ने मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की वकालत करते हुए कहा कि इससे बिहार की राजनीति में जातिवाद समाप्त हो जाएगा और योग्यता के आधार पर राजनीति की शुरूआत होगी। अमित शाह ने कहा कि देश के खजाने की पाई-पाई, जिस पर गरीब का अधिकार है, वो गरीब को मिले इसके लिए नरेंद्र मोदी जी का जीतना जरूरी है। अमित शाह ने कहा कि आप सोचिए कि अगर ये 'घमंडिया इंडी गठबंधन' जीतता है तो देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, क्योंकि इनके पास तो ऐसा कोई नेता नहीं है। मुझे बताइए क्या लालू प्रसाद को देश का प्रधानमंत्री बना सकते हैं। क्या स्टालिन या ममता बनर्जी इस पद को संभाल सकते हैं। राहुल बाबा के बारे में क्या दूर-दूर तक भी सोच सकते हैं। भगवान ना करें, 'इंडी' गठबंधन की सरकार आई तो इन्होंने कहा था कि एक-एक साल हम प्रधानमंत्री पद बांट लेंगे। एक साल शरद पवार, एक साल लालू जी, एक साल ममता जी, एक साल स्टालिन और कुछ समय बचेगा तो राहुल बाबा बनेंगे। देश इस तरह से चल सकता है क्या?

बेगूसराय में अमित शाह ने कहा, 'चारा चुराने वाली सरकार जाने के बाद नरेंद्र मोदी जी और नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बिहार, कम्युनिस्टों की कृपा से नक्सलवाद से पीड़ित था, सैकड़ों युवा मारे गए। मोदी जी ने पूरे बिहार और झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त किया। मोदी जी ने यहां से हड़ताल, हत्या, अपराध, आतंकवाद, सबका सफाया किया है।' उन्होंने कहा कि 'इंडी' गठबंधन वाले कहते हैं कि वो सत्ता में वापस आएंगे तो जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 फिर से लागू करेंगे, लेकिन भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जब तक जिंदा है, तब तक अनुच्छेद 370 कोई भी वापस नहीं ला सकता। 'इंडी' गठबंधन वाले कहते हैं कि वे वापस आएंगे तो तीन तलाक और मुस्लिम पर्सनल कानून लाएंगे, लेकिन ना तो ये वापस आएंगे और ना ही तीन तलाक और मुस्लिम पर्सनल कानून लागू होगा।

लालू यादव बोले... हम लोकतंत्र और संविधान को मिटने नहीं देंगे

केटी न्यूज/पटना

सारण लोकसभा सीट के लिए रोहिणी आचार्य ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित जनसभा में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने गाना गाकर रोहिणी के समर्थन में वोट मांगा। इस दौरान लालू प्रसाद यादव ने कहा कि बेटी रोहिणी आचार्य आपके बीच में लगातार काम कर रही हैं। इसे भारी मत से जिताना है। देश को बचाना है संविधान को बचाना है। हम लोकतंत्र और संविधान को मिटने नहीं देंगे। पिछड़ा वर्ग, पिछड़े वर्गों के हक को भाजपा छिनना चाहती है आपसब लोग इकट्ठे रहिये। काफी धूप है, काफी लोगों ने समय दिया, मैं धन्यवाद् देता हूं।

लालू प्रसाद यादव ने कहा कि इतनी कड़ी धूप में आप सभी लोग आए हैं, सबको धन्यवाद। सारण जिला हमारी कर्मभूमि है। सारण के लिए हमने बहुत काम किया। रेल का कारखाना, फैक्ट्री, इंजीनियरिंग कॉलेज, मढ़ौरा में इंजन का कारखाना यह सब काम हमने किया है। अब आपके बीच में रोहिणी हैं, भारी मतों से इनको जिताइए। फिर लालू प्रसाद यादव ने लागल झुलनिया में धक्का बालम कलकत्ता पहुंच गये गाकर रोहिणी के लिए लोगों का समर्थन मांगा। भाजपा बाबा के संविधान को खत्म करना चाहता है। संविधान बदलना चाहता है। हम किसी भी कीमत संविधान को बदलने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा रिजर्वेशन खत्म कर देना चाहती है। इसके लिए हम सभी को इकट्ठा रहना है। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा कि पासी समाज के हमारे बहुत लोग हैं। हमारी सरकार लाइए, हम सभी पासी के लोगों की समस्या को दूर करेंगे।

तेजस्वी यादव ने भाजपा भगाओ का नारा लगाते हुए अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि सारण हमारे पिता लालू प्रसाद यादव कि कर्म भूमि रही है और यहां से जो कार्लेय मेरे पिता ने किया है, अब हमारी बहन रोहिणी यहां से उनसे भी ज्यादा काम करेगी। उन्होंने कहा कि क्या परिस्थिति रही, मेरी बहन ने जो बलिदान दिया है उसको बताने का समय अभी हम नहीं समझते हैं। आपसब लोग जानते हैं कि इन्होने क्या त्याग दिया है। मुझे यकीन है कि इन्होने जिस तरह से अपने पिता की सेवा की और बलिदान दिया है उससे बढाकर यहां के जनता की यह सेवा करेगी। कहा कि मुकेश जी के सारे विधायकों को ही भाजपा ने खरीद लिया और हमारे सीएम नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा का शाब्दिक अर्थ बताने की कोशिश की। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा भारत के संविधान को बदलने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव ने अंत में लोगों को साथ में गाने के लिए कहा और खुद भी गाया पीएम के लिए फिर वही गीत गाया- तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो...

अमित शाह के हेलीकॉप्टर का बिगड़ा संतुलन, थमी रहीं सांसें

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को गिरिराज सिंह के चुनाव प्रचार के लिए चुनावी सभा को संबोधित करने जीडी कॉलेज पहुंचे थे। सभा के बाद गृह मंत्री हेलीकॉप्टर में सवार होकर अपने गंतव्य के लिए रवाना होने ही वाले थे कि उड़ान भरने से पहले हेलीकॉप्टर का संतुलन बिगड़ गया। उड़ान भरने के बाद हेलीकॉप्टर पीछे की तरफ मुड़ गया। इस दौरान जमीन से ऊंचाई भी काफी कम दिखी। इस दौरान हेलीकॉप्टर एकबार फिर जमीन से सटने भी लगा था लेकिन पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए हेलीकॉप्टर को तुरंत कंट्रोल कर लिया और फिर उड़ान भरी। इसे देख वहां मौजूद हर किसी की सांसें थम सी गयी थी। लोग अनहोनी की आशंका से सहम गये लेकिन फिर पायलट ने दिलेरी दिखाते हुए हेलीकॉप्टर को कंट्रोल किया और फिर उड़ान भरा।

बंगाल शिक्षक बहाली मामले की सीबीआई जांच करने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की 24,000 नियुक्तियां रद्द करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा आदेश जारी करते हुए सोमवार को पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि ममता सरकार ने शिक्षक बहाली पर रोक मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। यह मामला साल 2016 में की गई शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की लगभग 24,000 नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले से जुड़ा है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 2016 की शिक्षक भर्ती को रद्द कर दिया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा सहायता प्राप्त विद्यालयों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 की चयन प्रक्रिया सोमवार को अमान्य घोषित कर दी थी और इसके जरिए हुई सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने सीबीआई को नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में और जांच करने तथा तीन महीनों में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। पीठ ने पश्चिम बंगाल विद्यालय सेवा आयोग को नयी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश भी दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने धनशोधन केस में ईडी से मांगा जवाब

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान शीर्ष अदालत ने धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। गौरतलब है, शीर्ष अदालत में हाईकोर्ट द्वारा याचिका पर फैसला सुनाने में देरी करने और धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की दो न्यायाधीशों की पीठ झामुमो नेता की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान पीठ ने ईडी को नोटिस जारी किया और छह मई तक उससे जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि मामले में सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट अपना फैसला सुना सकता है। यह आदेश 28 फरवरी को सुरक्षित रखा गया था।

लखनऊ सीट से राजनाथ सिंह ने भरा पर्चा, लोगों ने किया जोरदार स्वागत

केटी न्यूज/लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लखनऊ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार के समक्ष रक्षा मंत्री ने पर्चा दाखिल किया। नामांकन से पहले राजनाथ सिंह ने घर में पूजा पाठ की। यहां से सीधे हनुमान सेतु पहुंचे। यहां पूजा अर्चना कर शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक किया। बाबा नीब करौरी के दर्शन कर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हाजिरी लगाई। दर्शन पूजन के बाद रक्षामंत्री हजरतगंज स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इसके बाद भगवा पगड़ी बांधे रक्षामंत्री, सीएम योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक लखनऊ विकास रथ पर सवार होकर भाजपा, मोदी, राजनाथ सिंह, योगी जिंदाबाद के नारे के बीच कलेक्ट्रेट रवाना हुए। यहां दोपहर करीब 12.30 बजे उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल किया।

पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के पोते व जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो आए सामने

एजेंसी/इंफाल

कर्नाटक की हासन से सांसद हैं प्रज्वल रेवन्ना

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कई अश्लील वीडियो सामने आए हैं। इसको लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। प्रज्वल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी ने ही उनसे दूरी बनाने का मन बना लिया है। जेडीएस के विधायक समृद्धि मंजूनाथ ने रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की है। मंजूनाथ ने कहा, 'प्रज्वल के अश्लील वीडियो मीडिया में घूम रहे हैं। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा और एचडी कुमारस्वामी को निर्णय लेना चाहिए। उन्हें तय करना चाहिए कि 19 विधायक महत्वपूर्ण हैं या प्रज्वल और उनके पिता एचडी रेवन्ना महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी के सिद्धांतों को बचाने और हमें शर्मिंदगी से बचाने के लिए रेवन्ना और प्रज्वल को 24 घंटे के भीतर पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए।

कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने रेवन्ना की अश्लील वीडियो पर कहा, 'एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। वीके सिंह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। टीम में सभी अच्छे अधिकारी हैं। मुझे पीड़ितों की सुरक्षा की चिंता है, ताकि वे बिना डरे सामने आएं और अपनी शिकायत दें। मैंने सीएम को इस बारे में लिखा था। अब एसआईटी का गठन किया गया है। पेन ड्राइव मुझे मिली है उसमें सैकड़ों वीडियो हैं। मैं इस मामले को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग को भी लिखूंगी। मेरा मतलब है कि यह भारत का सबसे बड़ा घोटाला है।

वाराणसी से युग तुलसी पार्टी के नेता शिवकुमार कोली शेट्टी को बनाया गया है प्रत्याशी

नर्क में जाएंगे गौकशी सपोर्टर पार्टियों के मतदाता: शंकराचार्य

केटी न्यूज/वाराणसी

लोकसभा चुनाव 2024 के रण में ज्योतिष पीठ के प्रमुख शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी कूद चुके हैं। उनका गौ गठबंधन भी उतर चुका है। इसमें देश भर की कुल 76 पॉलिटिकल पार्टियों को शामिल कर गोकशी को न रोक पाने वाली राजनैतिक पार्टियों का बहिष्कार करने को कहा गया है। वहीं, शंकराचार्य का ये भी कहना है कि एनडीए और इंडिया जैसे एलायंस को चैलेंज देने के मकसद से उन्होंने इस गठबंधन को खड़ा किया है। जो लोग गौ गठबंधन को वोट न देकर गोकशी कराने वाली पार्टी को वोट देंगे तो वो पाप के भागी होंगे। उन्हें नर्क वास झेलना होगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, ये गठबंधन एनडीए और इंडिया से भी बड़ा है। इसमें केवल गौ भक्त ही चुनाव लड़ रहे हैं। इन्हें ज्यादातर हिंदुओं का समर्थन मिल रहा है। इसमें शामिल सभी 76 पार्टियों का एक संयुक्त घोषणा पत्र भी जारी हो चुका है।

वहीं, वाराणसी से युग तुलसी पार्टी के शिव कुमार कोला शेट्टी को प्रत्याशी बनाया गया है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, इस लोकसभा चुनाव में मुख्य तौर पर दो गठबंधनों में पूरे देश भर की पार्टियां और लोग हैं। लेकिन, एनडीए में 39 और इंडिया में कुल 41 पार्टियां ही मिलकर लड़ रहीं हैं। शंकराचार्य ने कहा कि उन्होंने 76 गौभक्त पॉलिटिकल पार्टियों को एक साथ मिलाकर गठबंधन को खड़ा किया है। ऐसे में सबसे ज्यादा पार्टियों वाला गठबंधन उनका ही है। शंकराचार्य ने कहा कि इस गठबंधन के घोषणा पत्र में गाय के संरक्षण और गौ माता की हत्या पर प्रतिबंध लगाने की बात को शामिल किया गया है। कहा कि इसमें से करीब 50 प्रत्याशी गौ माता की रक्षा का संकल्प लेकर ही चुनावी मैदान में उतरे हैं। इन लोगों को करोड़ों सनातन धर्मियों का भारी जन समर्थन प्राप्त है।

अनुमंडल अस्पताल में खुले में फेंके मेडिकल कचरे से संक्रमण फैलने का खतरा

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल से निकलने वाले कचरे का सही निस्तारण नहीं किया जा रहा है। अस्पताल में कचरा डालने का पीट भर जाने के बाद भी उसी में कूड़े को डाला जा रहा है। ऐसे में सारा कचरा पीट के मुहाने पर जमा हो जा रहा है। फिर उसे जला भी दिया जा रहा है, जिससे अस्पताल का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। इससे बीमार मरीज स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं तो उन्हें संक्रमित होने का डर है। आपातकालीन कचरे का जो निस्तारण का नियम बना है, उसका भी पालन नहीं किया जाता है।

बता दें कि अस्पताल में तीन तरह का कचरा निकलता है। इसके निस्तारण करने के लिए एनजीओ को रखा गया है। मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल परिसर व भवन की सफाई के लिए अलग एनजीओ बहाल है। इसमें भी एनजीओ घपला करता है। 22 मजदूर की जगह 13 मजदूर रखकर काम कराया जाता है। फिर प्लेसेंटा के लिए अलग से एनजीओ बहाल है, जिसे प्रतिदिन प्लेसेंटा का उठाव कर निस्तारण कर देना है। फिर ओटी सेवा में सफाई करने के लिए भी तीन रंग का पैकेट रहता है, जिसमें काला, लाल व पीला रंग का होता है। अस्पताल के सभी कचरे को पीट में डाला जाता है। इधर पीट भर जाने से कचरा पीट के मुहाने पर जाकर चारों तरफ फैल गया है। फिर मौका देख उसे जला दिया जाता है। इसी तरह काम कई दिनों से चल रहा है। इस संबंध में जब अस्पताल के डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि परिसर में तीन पीट बनाया गया है। प्रयोग के लिए सभी को खोल दिया जाएगा। सफाई की जिम्मेदारी जो एनजीओ संभाल रखा है इसकी सूचना अस्पताल को नहीं दी गई है। विभाग ही सबकुछ बहाल करा काम करवा रहा है। भुगतान भी विभाग ही करता है, अस्पताल से कुछ नहीं होता। कई बार मजदूरों ने कम मजदूरी के लिए आवाज उठाया था। काम भी बंद किया तब जाकर पूरा पेमेंट होने लगा।

अनुमंडलीय अस्पताल में बच्चा के डॉक्टर पदस्थापित

डुमरांव। स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल में लगभग एक दशक से शिशु रोग विशेषज्ञ का पदस्थापित नहीं किया गया था। शिशुओं के बीमार पड़ने पर अभिभाकों को निजी क्लीनिक में दिखाना पड़ता था। जिससे उन्हें आर्थिक, शारीरिक परेशानियों से जूझना पड़ता था। वर्तमान स्थिति यह है कि अस्पताल में दो शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की स्वास्थ्य विभाग पदस्थापित कर दिया है। इनके पदस्थापन से अनुमंडल क्षेत्र के लोगों में काफी खुशी है। विदित हो कि अनुमंडलीय अस्पताल में एक दशक पहले शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में डॉ. जीतेन्द्र कुमार सिंह पदस्थापित थे। उन्होंने नौकरी से त्याग पत्र दे दिया, तब से किसी अन्य चिकित्सक को इनके स्थान पर पदस्थापित नहीं किया गया था। वहीं मंगलवार को ओपीडी शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. उमेश कुमार ने सेवा दी। महिलाएं अपने बच्चे को लेकर दिखाने के लिए पहुंची हुई थी। कई ने बताया कि बच्चा के डॉक्टर नहीं बैठने के कारण हमलोग निजी क्लीनिक में जाते थे। वहां डाक्टर को फीस तो देना ही पड़ता था, दवा भी खरीदना पड़ता था। अब इससे फीस व दवा खरीदी से छुटकारा मिलेगा।

एक नजर

डुमरांव प्लेटफॉर्म पर नही लगा कोच इंडिकेटर, यात्रियों को ट्रेन छूटने का बना रहता है भय

डुमरांव। दानापुर-बक्सर रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन पर कोच इंडिकेटर के आभाव में हर दिन यात्रियों को भागदौड करनी पड रही है। ऐसे में यात्रियों को ट्रेन छूटने का भय बना रहता है। कोच के सही पोजीशन की जानकारी नहीं होने के कारण ट्रेनों के आते ही प्लेटफार्म पर अफरातफरी मच जाती है। इस भाग-दौड में कई बार लोगों की ट्रेने भी छूट जाती है। पूर्व में टेंडर होने के बाद भी कोच इंडिकेटर लगाने का मामला ठंडे बस्ते में चला गया। राजस्व को लेकर डुमरांव को बी ग्रेड के स्टेशन का दर्जा प्राप्त है लेकिन उसके अनुरूप यहां यात्री सुविधाएं नहीं मिल रही है। डुमरांव में प्रतिदिन अप-डाउन लाइन के 30 से अधिक ट्रेनों का ठहराव होता है। साथ ही प्रतिदिन दस हजार से अधिक यात्रियों का आना-जाना होता है। एक्सप्रेस ट्रेनों का यहां महज दो मिनट का स्टॉपेज है। ऐसे में कोच इंडिकेटर नहीं रहने से यात्रियों को डिब्बों के ठहरांव की सही जानकारी नहीं मिल पाती है। ट्रेन रुकने के साथ ही डिब्बों तक पहुंचने के लिए अफरा-तफरी मच जाती है। अफरा-तफरी के बीच बुजुर्गों और महिलाओं को काफी परेशानी होती है। ट्रेनों में सवार नहीं होने के कारण हर दिन चेनपुलिंग होती रहती है। रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष सह समाजसेवी राजीव रंजन सिंह ने बताया कि डुमरांव स्टेशन पर कोच इंडिकेटर लगाने के लिए पूर्व रेलवे की ओर से स्वीकृति मिली थी। इसके लिए टेंडर के साथ तीन कर्मियो की नियुक्ति भी हुई थी। कोच इंडिकेटर का कुछ सामान भी आ चुका था लेकिन महीनों बाद मशीन स्टाल नहीं हुआ। समिति का कहना है कि कोच इंडिकेटर के सामान भी दूसरे जगह स्थानांतरित कर दिया गया, जिसके कारण कोच इंडिकेटर लगने की संभावनाएं खत्म हो गयी।

राजपुर के संगराव गांव में जमीन विवाद में गरजीं बंदूके, हवाई फायरिंग से मची दहशत

राजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के संगराव गांव में जमीन के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर हवाई फायरिंग हुई। यह घटना रविवार की शाम की है। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर फायरिंग करने का अरोप लगाते हुए करीब एक दर्जन लोगों को आरोपित किया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गांव के ही मनोज पांडेय एवं कमलेश पांडेय के बीच पूर्व से ही किसी जमीन के मामले को लेकर विवाद चल रहा है। इस विवाद में पिछले कई महीनों से दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बीच-बीच में कई बार बहस भी हुई थी. फिर भी मामला शांत नहीं हुआ। रविवार की शाम इन दोनों पक्षों के बीच पहले कहा सुनी हुई। बात ही बात में बात इतनी बढ़ गई की अपने वर्चस्व को लेकर इन दोनों पक्षों के बीच हवाई फायरिंग होने लगी। दोनों पक्षों द्वारा करीब आधा दर्जन से अधिक राउंड फायरिंग की गई। गोलियों की तड़तड़ाहट से गांव में अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। लोग अपने-अपने घरों में भागने लगे। हालांकि, सिर्फ हवाई फायरिंग होने से कोई बड़ी घटना नहीं हुई। इसकी सूचना तत्काल किसी ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौके से तीन खोखा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि इस मामले में एक पक्ष के चंद्र प्रकाश पांडेय एवं दूसरे पक्ष के चमेली देवी पति स्वर्गीय विनोद पांडेय के द्वारा लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें दोनों पक्ष से लगभग 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

डीएम ने की महिला एवं कार्मिक कल्याण कोषांग के कार्यों की समीक्षा

बक्सर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में महिला एवं कार्मिक कल्याण कोषांग के कार्यों की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा डीपीएम जीविका से समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक डिस्पैच सेंटर पर जीविका दीदियों के माध्यम से मतदानकर्मियों व पुलिस बल के लिए भोजन व अल्पाहार का स्टॉल लगाने का निर्देश दिया। प्रचंड गर्मी को देखते हुए प्रत्येक डिस्पैच सेंटर पर सतू, खीरा, ककड़ी, तरबूज, ओआरएस घोल के साथ शीतल पेयजल के लिए 10 मिट्टी के बने घडे.को रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रत्येक डिस्पैच सेंटर एवं संग्रहण सेंटर पर मेडिकल टीम के लिए दो कमरों की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक विधानसभावार चार मॉडल मतदान केन्द्र बनाने का निर्देश दिया गया एवं सभी आवश्यक प्रबंध करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता बक्सर, नोडल पदाधिकारी महिला एवं कार्मिक कोषांग बक्सर, उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

वाहन चेकिंग में पुलिस ने बरामद किये एक लाख रुपये

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने लोकसभा चुनाव को लेकर वाहन चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को शहर के विष्णु मंदिर के समीप त्रिमुहानी पर डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा के नेतृत्व में पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक बाइक से एक लाख रुपये बरामद किया। रुपये के बारे में वाहन चालक द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं देने पर इसे जब्त कर लिया गया। वही उक्त राशि को सीओ शमन प्रकाश के सामने सीज किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस की टीम मुख्य सड़क पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक से एक लाख की बड़ी राशि मिली। बाइक चालक द्वारा उस राशि के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं मिलने के बाद राशि को जब्त कर लिया गया। अभियान के तहत करीब सौ बाइक की भी जांच की गयी, जिन पर करीब छह हजार का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने को लेकर पुलिस की टीम थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाके में वाहन चेकिंग, फरार वारंटियों की गिरफ्तारी, आपराधिक प्रवृत्तियों के लोगों पर निगरानी के अलावे मादक पदार्थों की खोज में अभियान चला रही है। पुलिस का अभियान अनवरत जारी रहेगा।

घर से भागी नाबालिग बरामद, आरोपित गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव से 24 घंटे पहले अपने कथित प्रेमी संग फरार हुई एक किशोरी को पुलिस ने बनारस से बरामद करने के साथ ही उसके प्रेमी सह अपहरण के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि उक्त किशोरी घर से पढ़ने जाने के बहाने निकली थी और गांव के ही एक युवक के साथ फरार हो गई। इस संबंध में उसके दादा ने स्थानीय थाने में उसके अपहरण का मामला दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने किशोरी को बरामद करने के साथ ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मोबाइल नम्बर से उनके वाराणसी में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद एक टीम भेज किशोरी को बरामद किया गया है। किशोरी का मेडिकल जांच व बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट के सामने प्रस्तुत किया गया, जबकि युवक को जेल भेजा गया है।

पश्चिम बधार स्थित नहर चाट में अचानक लगी आग ने लिया विकराल रूप

बैजनाथपुर में आग लगने से डेढ़ दर्जन झोपड़ी व घर जले, तीन मवेशियों की मौत

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के बैजनाथपुर गांव में सोमवार की दोपहर अचानक आग लग गई। जिसमें लाखों की संपति जल कर राख हो गई। वही चार मेवेशी भी झुलसे है, जिनमें तीन की मौत हो चुकी है। घटना की सूचना पर पहुंची दमकल वाहन ने आग पर काबू पा उसे और विकराल होने से बचा लिया। मिली जानकारी के अनुसार गांव के पश्चिमी बधार के एक बगीचे से आग की लपटें अचानक उठने लगीं। आग की लपटें इतनी तीव्र थीं कि देखते ही देखते आग गांव के दलित बस्ती में आ गई। जब तक लोग कुछ सोच पाते तब तक आग की लपटों ने पूरा गांव को घेर लिया। इस दौरान डेढ़ दर्जन से अधिक झोपड़ियों एवं घरों को आग ने अपनी आगोश में ले लिया। मौके पर पहुंची चार अग्निशमन की गाड़ियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के अनुसार बैजनाथपुर के पश्चिम बधार स्थित नहर चाट में किसी प्रकार आग लग गई। जो पछुआ हवा के कारण तेजी से गांव में पहुंच गई। जिससे मुंद्रिका राम के झोपड़ी में आग लग गई। झोपड़ी में रखे पॉश मशीन, कागज, बिस्तर, राशन, कपड़ा समेत अन्य सामान जलकर राख हो गए। वहीं बृजमोहन सिंह, देवराज सिंह के घर में आग लगने से चार मवेशी झुलस गए। जिसमें तीन मवेशी की मौत हो गई। इसके अलावा लाखों रुपए का अनाज, मशीन, कपड़ा समेत अन्य सामान जल गए हैं। इसके अलावा विमल राम, कन्हैया राम, संजय राम, द्वारिका राम, अशोक राम समेत अन्य लोगों के घर में आग लगने से भूसा, कपड़ा, राशन, बिस्तर आदि जल गए हैं। गांव में आग लगने से अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। आग लगने का कारण का पता नहीं चल पाया है।

वहीं ग्रामीणों एवं अग्निशमन की गाड़ियों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आगलगी की घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। अब ग्रामीणों के समक्ष पशुओं के चारे एवं अन्न की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसको लेकर ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग की है। वही सूचना पर पहुंचे केसठ मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने तत्काल पीड़ित परिवार को मुआवजा देने को ले प्रशासन से आग्रह किया।

अगलगी की घटना से ग्रामीणों में भय, फायर ब्रिगेड की मांग

लगातार हो रहे प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अगलगी की घटना को ले ग्रामीणों में भय व्याप्त है। ग्रामीण सतेंद्र दुबे, गुड्डू यादव, गंगासागर राम आदि के कहा कि आग लगने की सूचना दमकल को दी जाती है। लेकिन जबतक दमकल की गाड़ी घटना स्थल पर पहुंचती है तब तक सब कुछ जल कर राख हो जाता है। समय से दमकल की गाड़ी नहीं पहुंच पाने से अगलगी से भारी नुकसान होता है। ग्रामीणों ने अनुमंडल प्रशासन और जिला प्रशासन से केसठ में एक दमकल की गाड़ी को स्थायी रूप से रखने की मांग की है।

क्या कहते है एसडीएम: इस संबंध में एसडीएम राकेश कुमार ने बताया कि सोमवार की दोपहर बैजनाथपुर गांव में अगलगी की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ी भेजी गई। स्थानीय सीओ को क्षति का आंकलन करा उचित मुआवजा देने का निर्देश दिया गया है।

फायर ब्रिगेडकर्मियों पर हमला करने वाले एक आरोपित के घर छापेमारी में मिला कट्टा

बक्सर। तीन दिन पहले इटाढ़ी थाना क्षेत्र के शुक्रवलिया गांव में फायर ब्रिगेड के चालक व कर्मियों पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था, उनकी पिटाई करने के साथ ही वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया था। इस मामले में फायर कर्मियों के बयान पर इटाढ़ी थाने में चार नामजद व 25 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस सोमवार को एक नामजद आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए उसके घर छापेमारी करने गई थी। इस दौरान आरोपित तो फरार था, लेकिन उसके घर की छत पर छिपा कर रखा गया एक 312 बोर का कट्टा मिला। इसके बाद पुलिस ने उक्त आरोपित अनुग्रहित उपाध्याय उर्फ अप्पू उपाध्याय के खिलाफ आर्म्स ऐक्ट में भी मामला दर्ज कर लिया है। आर्म्स ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफ्तारी का प्रयास तेज कर दी है।

बसपा नेता खुंटी यादव के दो हत्यारों को मिली आजीवन कारावास की सजा, साक्ष्य के अभाव में पांच को राहत

- बसपा के प्रदेश महासचिव व नदांव पंचायत के पूर्व मुखिया थे खुंटी यादव
- 18 मई 2018 की रात हुई थी गोली मारकर हत्या

केटी न्यूज/बक्सर

छह साल पहले बक्सर के चर्चित बसपा नेता खुंटी यादव की गोली मार हत्या करने वाले दो हत्यारों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वही, साक्ष्य के अभाव में पांच अभियुक्तों को बरी कर दिया गया है। बता दें कि 18 मई 2018 की रात करीब पौने नौ बजे बसपा नेता खुंटी यादव की अपराधियों ने गोलीमार हत्या कर दी थी। इस मामले में उनके परिजनों ने बक्सर नगर थाने में कुल सात लोगों के खिलाफ कांड संख्या 261/18 दर्ज कराया था। सत्रवाद संख्या 105/2020 में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय बिजेन्दर कुमार ने इस वाद के नामजद अभियुक्तों रामेश्वर सिंह और कंचन सिंह को 302 भादवि में आजीवन कारावास, 307 भादवि में 10 साल और 27 शस्त्र अधिनियम में 5 साल की सजा सुनाई है। वाद के शेष 5 अभियुक्तों को साक्ष्य के अभाव व सन्देह का लाभ देते हुए बरी किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर लोक अभियोजक गोपालजी राम ने बताया कि हथियारबंद बदमाशों ने बसपा के प्रदेश महासचिव और नदांव पंचायत के पूर्व मुखिया खूंटी यादव की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस हमले में मृतक के पुत्र यशवंत कुमार को भी गोली लगी थी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल यशवंत को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था।

इटाढ़ी गुमटी के पास अपराधियों ने बसपा नेता पर बरसाई थी गोलियां: बता दें कि 18 मई 2018 की रात पौने 9 बजे नामजद अभियुक्तों ने इटाढ़ी गुमटी के पास स्कार्पियो पर अपने पुत्र के साथ घर जा रहे बसपा के प्रदेश महासचिव व नदांव पंचायत के पूर्व मुखिया खुंटी यादव पर हथियारबंद अपराधियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थी। जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनके पुत्र यशवंत सिंह गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। गोलीबारी में जख्मी यशवंत के बयान पर ही इस मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी। दोषसिद्ध होने पर दोनों हत्यारों को हर धारा में कारावास की सजा के साथ अर्थदंड भी लगाया गया है। हत्यारों को सजा भुगतने के लिए केंद्रीय कारा बक्सर भेज दिया गया है। इस मामले में बचाव पक्ष से वरिष्ठ अधिवक्ता बबन ओझा एवं उमेश कुमार ने अपना अपना पक्ष रखा।

2024 का चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ को मजबूत करने का चुनाव है: मिथिलेश तिवारी

केटी न्यूज/बक्सर

प्रत्याशी आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बक्सर लोकसभा के रामगढ़ विधानसभा के दुर्गावती मंडल के विभिन्न जगहों पर आयोजित चौपाल को सम्बोधित करते हुए एनडीए समर्थित भारतीय जनता पार्टी बक्सर लोकसभा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने कहा कि भारत अब सुरक्षित हाथों में है और 2024 का चुनाव भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का चुनाव है। साथ ही साथ सुरक्षित भारत, मजबूत भारत, भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने का भी चुनाव है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के नेताओं को अपने-अपने पुत्रों की चिंता है। जहां सोनिया गांधी को राहुल गांधी की चिंता है, लालू यादव को तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव ,मीसा भारती और रोहिणी आचार्या की चिंता हैं। वैसे ही जगदानंद सिंह को अपने पुत्र को सेट करने की चिंता है, जबकि मोदीजी को पूरे भारत के हर एक गरीब की चिंता है। श्री तिवारी ने कहा कि बहरूपिया आपके बीच आयेंगे और आपको भ्रमित करने का प्रयास करेंगे और अगर ये लोग गलती से सत्ता में आ गए तो बारी-बारी से पूरे भारत को लूट खायेंगे। कहा कि विकसित भारत के साथ बक्सर भी विकसित होगा, ये मोदी की गारंटी है।

कैंब्रिज स्कूल छात्राओं में भर रहा आत्मविश्वास, कला सीखने के प्रति छात्राओं की बढ़ रही ललक

पहल... जूड़ो-कराटे का प्रशिक्षण लेकर लड़कियां सीख रहीं आत्मरक्षा के गुर

केटी न्यूज/डुमरांव

नारी हिंसा के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली आधी आबादी में अब आत्मरक्षा के गुर सीखने की ललक बढ़ी है। डुमरांव के कैंब्रिज स्कूल में इन दिनों छात्राओं को आत्मरक्षा का पाठ पढ़ाया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर छात्राएं पल भर में दुश्मनों को पटखनी दे सकती हैं। जूड़ो-कराटे का प्रशिक्षण ले रही छात्राएं घंटों पसीना बहा रही हैं। स्कूल-प्रशासन भी आत्मरक्षा को ध्यान में रखकर पढ़ने वाली छात्राओं को जूडो-कराटे में पारंगत बनाने का प्रयास कर रहा है। प्रशिक्षण के समय एक विशेष शब्द हियां-हियां निकलता है। ऐसे में आने-जाने वाले लोगों की निगाहें बरबस ही उस ओर चली जाती है। छात्रा शिक्षा, अदीति, स्नेहा, अंशु, नंदनी, सुरभि, खुशी, दीक्षा, प्रिया आदि प्रशिक्षण ले रही छात्राओं ने बताया कि इस कला-कौशल के द्वारा हम विषम परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम हो सकेंगे। साथ ही आत्मरक्षा के साथ शारीरिक क्षमता का विकास भी होगा। घर पर ऐसे संसाधन उपलब्ध नही होते लेकिन स्कूल में जूड़ो-कराटे का प्रशिक्षण मिलने से काफी खुशी होती है। कहती हैं कि जूड़ो-कराटे ना केवल युद्धकला में निपुण बनाता है बल्कि यह मानसिक संबल भी देता है। प्रशिक्षित छात्राओं ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कई परेशानियां एवं शारीरिक कष्टों से जूझना पड़ा। काफी लग्न और मेहनत के बाद हम सब इस कला में अपना हुनर दिखा पायी। प्रशिक्षक के प्रोत्साहन ने प्रेरित किया और जूड़ो-कराटे की कई बारीकियों को सीख कर हम आत्मरक्षा कर सकते है। स्कूल के चेयरमैन टीएन चौबे ने बताया कि लड़कियों के लिए शिक्षा व स्वरोजगार जितना आवश्यक है उतना ही सेल्फ डिफेंस भी होना जरूरी है। महिलाओं के प्रति बढ़ रही हिंसा को रोकने और आत्म सुरक्षा के लिए जूड़ो-कराटे का क्लास शुरू किया गया है। इसमें लड़कियां आत्मविश्वास और हिम्मत के साथ आगे बढ़कर इस कला को अपना रही है।

एक मई को रेडक्रॉस की ओर से डुमरांव में लगेगा रक्तदान शिविर

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय रेडक्रॉस सोसायटी उपशाखा की तरफ से माधुरी चिकित्सालय परिसर में सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सचिव डॉ बालेश्वर सिंह ने की। निर्णय लिया गया कि एक मई को मजदूर दिवस के अवसर पर छठिया पोखरा स्थित माधुरी चिकित्सालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा जो सुबह नौ बजे से प्रारंभ होगा। इसके लिए अधिकाधिक लोगों को जागरूक एवं आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर रितेश कुमार एवं आशीष आनंद ने आजीवन सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सचिव ने बताया कि रेडक्रॉस सोसायटी एक निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाली संस्था है। इससे जुड़ कर हम समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन तो करते हैं साथ ही साथ हमारे भीतर जनकल्याण की भावना भी विकसित होती है। मौके पर विमलेश कुमार, डॉ मनीष कुमार शशि, डॉ बी एल प्रवीण, रणधीर प्रताप सिंह, रघुनाथ मिश्र, वंशीधर मिश्रा, सुरेन्द्र राय उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

हरि ओम सेवा आईटीआई कालेज में एक मई को लगेगा जॉब मेला

चंदौली। जगदीशसराय स्थित हरि ओम सेवा आईटीआई कालेज में एक मई दिन बुधवार को सुबह 10 बजे से जॉब मेले का आयोजन किया गया है। संस्थान के प्रबंधक संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि किसी ट्रेड से आईटीआई उत्तीर्ण छात्र छात्राएं उक्त जॉब मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। जो छात्र द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण है। मेले में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले। प्रबंधक ने बताया कि औरंगाबाद महाराष्ट्र की धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से उन्हें अच्छे पैकेज पर रखा जायेगा। उनका चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। बायोडाटा, आधार कार्ड, फोटो, हाई स्कूल अंक पत्र, आईटीआई उत्तीर्ण अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र के साथ मेले में समय से प्रतिभाग करें।

चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचे तीन लोग

चंदौली। राजघाट स्थित मालवीय पुल के ढलान पर सोमवार की सुबह अचानक एक चलती कार में आग लग गई। लंबे सड़क अगलगी की इस घटना से अफरातफरी मच गई। सोमवार की सुबह 10:45 बजे आजिब खां और इरशाद अहमद व आशिफ ग्राम गोपालपुर पोस्ट कमालपुर चंदौली निवासी अपने निजी वाहन से चल कर वाराणसी मार्केटिंग करने जा रहे थे । जैसे ही वह स्थानीय चौराहे से राजघाट पुल की तरफ दो मीटर ढलाव की तरफ बढे कि अचानक कार के अगले हिस्से से धुंआ उठने लगा और वाहन चला रहे आजिब ने कार को सड़क के साइड में किया । जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक देखते ही देखते पूरी कार में आग फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल हो गया और गाड़ी पूरी तरह से आग की भेंट चढ़ गई। मौके पर पहुँचे सूजाबाद की पुलिस ने भीड़ को दूर हटाया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि आवागमन कर रहे वाहनों को दोनों तरफ से रोक-रोक छोड़ा जा रहा था।

बंद घर से नगदी सहित लाखों का सामान चोरी

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन में शुक्रवार को मकान बंद कर पुत्र का मुंडन कराने गया परिवार तो चोरों ने घर खंगालकर नगदी सहित लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर आसानी से फरार हो गए। मुंडन कराकर वापस लौटे परिवार ने घर में बिखरा सामान देख होश उड़ गए। भुक्तभोगी ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। अलीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन निवासी सदानंद शुक्रवार को अपने मकान का ताला लगाकर मिजार्पुर जनपद के अदलपुरा धाम पर पुत्र का मुंडन करने चले गए। रविवार की देर शाम घर लौटे तो दरवाजा का कुंडी खुला देख अंदर प्रवेश किया तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। वही बक्सा अलमारी टूटा हुआ था। इसमें रखें 60 हजार नगदी सहित लगभग ढाई लाख रूपए मूल्य के जेवरात के साथ महंगे कपड़े भी गायब थे।

हंगामा के बीच बंद कराया गया मानव रहित रेलवे क्रासिंग

चंदौली। पं. दीनदयाल उपाध्याय वाराणसी रेल रूट पर हृदयपुर के समीप मानवरहित रेलवे क्रासिंग बंद करने को लेकर एक बार फिर सोमवार को हंगामा हुआ। क्रासिंग बंद करने आए अधिकारियों के समक्ष हृदयपुर सहित आस पास के ग्रामीणों ने खूब हो हल्ला किया। बाद में आरपीएफ, पुलिस और पीएसी की मौजूदगी में क्रासिंग पर बैरिकेडिंग लगाई गई। हालांकि ग्रामीणों की मांग पर बाइक, तीन पहिया सहित हल्के वाहनों के आवागमन का रास्ता छोड़ दिया गया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने दिसंबर माह तक अंडर पास का निर्माण हर हाल में कराने का लिखित आश्वसन ग्रामीणों को दिया। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए।

विपुल वर्मा का शव बलिया पहुंचते ही मचा कोहराम

♦ पूर्व बीएसएफ जवान ने मारी थी गोली

केटी न्यूज / बलिया

बलिया शहर के अधिवक्ता नगर निवासी बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र विपुल वर्मा की हत्या मामले में क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने पूर्व बीएसएफ जवान तथा उसकी बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को दोनों को जेल भेज दिया गया। उधर, रविवार को विपुल वर्मा का शव घर पहुंचने के बाद से कोहराम मचा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एसीपी वेवसिटी पूनम मिश्रा ने बताया कि बलिया के अधिवक्ता नगर निवासी विपुल वर्मा (25) की छह साल पहले फेसबुक के जरिये बलिया के ही गांव चौरा गांव निवासी दीप्ति सिंह से दोस्ती हुई थी। दीप्ति बीटेक करने के बाद नोएडा की कंपनी में नौकरी करती थी। दोनों पैरामाउंट सिंफनी सोसाइटी में अलग-अलग फ्लोर पर किराये के फ्लैट में रहते थे। पिछले कुछ दिनों से टीप्ति विपुल को नजरअंदाज करने लगी थी। विपुल को शक था कि दीप्ति किसी दूसरे लड़के के संपर्क में है। शुक्रवार रात को विपुल को जानकारी हुई कि दीप्ति किसी अन्य युवक के साथ नूवी देखने गई है। इस पर दीप्ति के इंतजार

में विपुल देर रात तक सोसाइटी के गेट पर खड़ा रहा और जैसे ही वह आई दोनों के बीच कहासुनी और मारपीट तक हो गई। बेटी के साथ हुई घटना की जानकारी होते ही दीप्ति के पिता पूर्व बीएसएफ जवान राजेश कुमार सिंह दिल्ली से सोसाइटी पहुंचा और दिल्ली शिफ्ट करने के लिए बेटी का सामान पैक कराने लगा। इसी बीच विपुल अपने दोस्त के साथ दीप्ति सिंह के फ्लैट पर पहुंच गया और राजेश सिंह से उसकी कहासुनी हो गई। इसी बीच, अपनी लाइसेंसी पिस्टल से राजेश ने विपुल पर पांच गोलियां चलाकर उसकी हत्या कर दी। विपुल की हत्या की सूचना मिलते ही शनिवार को परिजन व नाते रिश्तेदार गाजियाबाद पहुंच गये। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव घरवालों को सौंप दिया। रविवार को विपुल का शव घर पहुंचा और दोपहर बाद शहर से सटे गंगा नदी के महावीर घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

दीप्ति ने ही फोन करके विपुल को बुलाया था फ्लैट पर

बलिया। पुलिस का कहना है कि पिता के आने के बाद दीप्ति सामान पैक कर रही थी, उसी दौरान उसने विपुल को फोन कर बुलाया था। इसके बाद पिता राजेश ने उसकी हत्या कर दी। एसीपी का कहना है कि दीप्ति ने पिता के कहने पर विपुल को बुलाया या सजिश के तहत कॉल की, इसका पता लगाया जा रहा है। राजेश और उसकी बेटी दीप्ति को गिरफ्तर कर जेल भेज दिया गया है। केस में नामजद राजेश के भतीजे रंजय से भी पूछताछ की जाएगी।

व्यापार मंडल, बस संचालकों, गैस एजेंसी व पेट्रोल पंप संचालकों के साथ सीडीओ ने की बैठक

चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में निष्ठा से करें काम

केटी न्यूज/ गाजीपुर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी व प्रभारी अधिकारी स्वीप की अध्यक्षता में जनपद के व्यवसायिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों संग बैठक कर उन्हें अपने-अपने कार्य क्षेत्र अन्तर्गत मतदाता जागरूकता के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी व प्रभारी अधिकारी स्वीप संतोष कुमार वैश्य ने सोमवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारी, एलपीजी गैस एजेंसी संचालकों, पेट्रोल पंप संचालकों, खेल संगठनों, बस संचालको एवं स्वीप कार्यक्रम से लगे संबंधित अधिकारियों व कर्मियों के साथ बैठक की एवं जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए तैयारी की गई। अपनी रणनीति से अवगत कराते हुए विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशन से मतदाता जागरूकता अभियान में बढ-चढ कर हिस्सा लेने की अपील की और उनसे सुझाव भी लिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी से स्वतंत्र राष्ट्रहित में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को लेकर, मतदाताओं को मतदान के लिए जागरुक करने में अपनी सहभागिता निभाने को कहा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने जिले का मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसके लिए सभी एजेंसियों एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने एजेंसियों में कार्यरत अधिकारियों, कर्मियों, उनके उपभोक्ताओं, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों एवं अध्ययनरत भावी मतदाता (छात्र- छात्राओं) के बीच मतदान के महत्व को बताने को कहा। साथ ही मतदान दिवस के दिन मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित करने पर बल दिया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत लगे विभागों को उनके कार्य दायित्वों का बोध कराते हुए निर्देश दिया कि मतदाता जागरूकता अभियान में जन चौपाल, स्काउट रैली का आयोजन, डाक घरों में बैनर व हस्ताक्षर अभियान चलाने, बैंकों, पेट्रोल पंपों एलपीजी गैस एजेन्सियों, चिकित्सालयों की पर्ची पर एक जून को मतदान का संकल्प लेकर लोगों में जागरूकता लाई जाए। उन्होंने जनपद के प्रत्येक इकाईयों, व्यापारिक संस्थानों एवं शापिंग माल, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन के बाहर होर्डिंग एवं बैनर लगाने एवं समस्त बिक्री रसीद पर मतदान का दिनांक अंकित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि ` जनपद के समस्त सीडीपीओ, सुपरवाईजर, आगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका एवं अन्य कर्मचारियों के माध्यम से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पोस्टर बैनर के माध्यम से जनमानस के बीच व आगनबाड़ी केंद्र पर मतदाता स्लोगन, शपथ ग्रहण व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के महत्व से अवगत कराते हुए मतदान हेतु जागरूक किया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और अपर प्रभारी अधिकारी स्वीप, जिला विकास अधिकारी/अपर प्रभारी अधिकारी कार्मिक सुबास चन्द्र सरोज, स्वीप आईकान अरविन्द शर्मा, स्वीप को-आर्डिनेटर डा0 अमित यादव, सम्बन्धित अधिकारीगण के साथ व्यापार मण्डल के पदाधिकारी, पेट्रोल पंप संचालक, बस व गैस एजेन्सी संचालक आदि उपस्थित थे।

गरमाई सियासत : गाजीपुर लोकसभा सीट से नुसरत के मैदान में उतरने की चर्चा

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश की गाजीपुर लोकसभा सीट फिर एक बार चर्चा में है। यहां समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार एवं बसपा सांसद अफजाल अंसारी चुनाव मैदान में विरोधियों को जहां ललकार रहे हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पारसनाथ राय अपनी पार्टी का झंडा बुलंद किए हुए हैं। गाजीपुर लोकसभा सीट पर राजनीतिक हलचल तब तेज हो गई, जब अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी राजनीति में कदम रखने के साथ ही एकाएक सक्रिय हो गईं। इस कारण चहुंओर चचाओं का बाजार गर्म है। राजनीतिक पंडितों का यहां तक कहना है कि नुसरत अंसारी चुनाव मैदान में उतरकर पिता की विरासत भी संभाल सकती हैं। नुसरत ने भी खुलकर चुनाव मैदान में जनसंपर्क एवं प्रचार -प्रचार शुरू कर दिया है। वह महिला विंग को संभालने के साथ पुरुष मतदाताओं से भी पिता की जीत के लिए गुहार लगा रहीं हैं। इस चर्चा के पीछे दो कारण है बसपा सांसद अफजाल अंसारी को गैंगस्टर मामले में लोवर कोर्ट से हुई सजा के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इसकी सुनवाई हाई कोर्ट में चल रही है। दो मई 2024 को इस मामले में सुनवाई होनी है। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार 30 जून तक इस मामले में कोर्ट को फैसला देने का निर्देश दिया गया है। अगर किसी कारणवश अफजाल अंसारी के पक्ष में हाईकोर्ट का फैसला नहीं आता है, तो मजबूरन इस सीट पर किसी और को उतारा जाएगा। इसलिए माना जा रहा है कि पहले से ही अफजाल अंसारी चुनाव मैदान में बेटी को उतारने की तैयारी में लगे हैं। गाजीपुर लोकसभा सीट पर नुसरत द्वारा सियासी जमीन तैयार की जा रही है। ताकि पिता अफजाल अंसारी को अगर चुनाव लड़ने से रोका गया, तो उनकी जगह बेटी नुसरत मैदान में उतर सकें। अपने पिता के विरासत संभालने के लिए जहां बेटी तैयार है, वहीं परिवार के सदस्य पूरी ताकत लगाए हुए हैं। देखा जाए तो अंसारी परिवार में सांसद अफजाल अंसारी के बड़े भाई सिबगतुल्ला अंसारी के पुत्र मन्नू अंसारी इस समय मुहम्मदाबाद विधानसभा सीट से विधायक बन पिता की विरासत संभाल रहे हैं। वहीं पूर्व विधायक स्व. मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी मऊ विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। अब्बास अंसारी भी अपने पिता मुख्तार अंसारी के जीवित रहते ही मऊ विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। वर्तमान में वह जेल में निरुद्ध हैं।

एक नजर

दहेज हत्यारोपी पति, जेठ व जेठानी गिरफ्तार

हल्दी। पुलिस ने बलिया रेलवे स्टेशन के पास से दहेज हत्या के आरोपी पति, ज्येष्ठ व जेठानी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों को पुलिस ने धारा 304 बी, 498ए, 323, 504, 506 भादवि व डीपी एक्ट में चालान न्यायालय किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। 23 अप्रैल 2024 को थाना हल्दी पर पंकज कुमार सिंह पुत्र स्व. लल्लन सिंह निवासी भरसौता थाना हल्दी ने तहरीर दिया था कि 20 अप्रैल 2024 को उनकी बहन ज्योति सिंह को उसके पति राकेश सिंह, ज्येष्ठ मन्टू सिंह, जेठानी अंजलि सिंह तथा ससुर सुभाष सिंह निवासीगण : ताड़ीबड़ा गांव, थाना नगरा, बलिया ने दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने के साथ ही मारापीटा, जिससे उनकी बहन गंभीर रुप से घायल हो गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। उधर, ससुरालियों की पिटाई से घायल ज्योति सिंह की मौत जिला अस्पताल में इलाज के दौरान 26 अप्रैल 2024 को हो गयी। सोमवार को पुलिस ने मृतका के पति राकेश सिंह पुत्र सुभाष सिंह, ज्येष्ठ मन्टू सिंह उर्फ रामविजय सिंह पुत्र सुभाष सिंह, जेठानी अंजली सिंह पत्नी मन्टू सिंह उर्फ राम विजय सिंह निवासीगण ताडीबड़ागांव थाना नगरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

कोदई गांव के प्रधान का वित्तीय व प्रशासनिक पावर जिलाधिकारी ने किया सीज

बलिया। नगरा ब्लॉक के कोदई गांव के प्रधान का वित्तीय व प्रशासनिक पावर जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने सीज कर दिया है। वहीं, प्रकरण की अंतिम जांच डीसी (मनरेगा) दिग्विजय नाथ पांडेय को सौंपी गई है। साथ ही नगरा बीडीओ को त्रिस्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है। कोदई गांव निवासी लाल बाबू ने शपथपत्र के साथ डीएम को प्रार्थनापत्र देकर प्रधान द्वारा अनियमित तरीके से किए गए भुगतान की जांच कराने की मांग की थी। जिलाधिकारी ने प्रकरण की जांच के लिए डीआईओएस की अध्यक्षता में दो सदस्यीय टीम गठित की थी। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में कोदई प्रधान लक्ष्मीना देवी द्वारा 2 लाख 71 हजार का वित्तीय व अन्य अनियमितता की दोषी मिली। रिपोर्ट के आधार पर डीएम ने प्रधान का वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिया है।

डीएम ने विपणन शाखा गेंहूं क्रय केंद्र बंजारीपुर का किया औचक निरीक्षण

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने सोमवार को विपणन शाखा गेंहूं क्रय केंद्र बंजारीपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान नीरज तिवारी विपणन निरीक्षक एवं अनुराग पांडेय, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, गाजीपुर उपस्थित रहे। बता दें कि केन्द्र पर अबतक कुल 13 किसानों से 77.90 मिट्रिकटन गेंहूँ की खरीद हुई है। जिसमें से 30.00 मी0टन गेंहूँ केन्द्र प्रभारी द्वारा भारतीय खाद्य निगम डिपो देवकठिया में प्रेषित किया गया है। मौके पर 47.90 मी.टन गेहूँ उपलब्ध है। केंद्र पर बैनर लगा हुआ पाया गया, जिसमें समर्थन मूल्य एवं टोल फ्री का अंकन प्रदर्शित है। केन्द्र पर किसानों के सुख-सुविधा हेतु उनके बैठने एवं पेय-जल की व्यवस्था उपलब्ध है। केंद्र पर गेहूं की सफाई के लिए विनोइंग फैन, दो जाली छलना, नमी मापक यंत्र, पावर क्लीनर/पॉवर डस्टर उपलब्ध है। केन्द्र पर उपलब्ध इलेक्ट्रानिक कांटों का बाट-माप विभाग द्वारा सत्यापन हुआ पाया गया। केन्द्र पर गेहूं का मानक नमूना प्रदर्शित है। केन्द्र पर खरीद हेतु पर्याप्त संख्या में पीपी बोरे उपलब्ध है। वर्षा से गेहूँ की सुरक्षा के लिए क्रेट्स एवं त्रिपाल की व्यवस्था उपलब्ध है। गेंहू से भरे बोरों पर निर्धारित कोड का अंकन पाया गया। केन्द्र पर खरीद से सम्बन्धित समस्त अभिलेख उपलब्ध है।

शत प्रतिशत मतदान करने का दिया संदेश

चंदौली। पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर उप जिलाधिकारी अधिकारी विराग पाण्डेय के निर्देशन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के सकुर्लेटिंग एरिया में मतदान जागरूकता साइकिल यात्रा निकाली गई। एसडीएम विराग पाण्डेय द्वारा हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया गया, जो नगर भ्रमण करते हुए जीटी रोड, कैलाशपुरी, रवि नगर, आर्य समाज मंदिर, सब्जी मंडी, लाठ नम्बर 2, गल्ला मंडी, धर्मशाला होते हुए वापस पहुंची। यात्रा की निगरानी और सुरक्षा नीरज चतुवेर्दी नायब तहसीलदार ने किया। नीरज चतुवेर्दी नायब तहसीलदार द्वारा शत प्रतिशत मतदान करने हेतु संदेश दिया गया। इस दौरान पहले मतदान, फिर जलपान के स्लोगन के साथ लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर राजेश कुमार सिंह, सचिन सिंह, नागेन्द्र मिश्रा, जीआरपी डीडीयू,आनन्द कुमार श्रीवास्तव,आरपीएफ डीडीयू द्वारा मतदान करने के लिए अपील की गई।

आग में पांच झोपड़ी जलकर राख, सामान आग में स्वाहा

केटी न्यूज/गाजीपुर

रेवतीपुर गांव के कन्नौजिया बस्ती में सोमवार की दोपहर करीब दो बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई?। इसके कारण चार लोगों की पांच आवासीय झोपड़ी जलकर राख हो गई। साथ ही उसमें रखा घर गृहस्थी का पूरा समान भी आग की भेंट चढ़ गया। इस अगलगी के चलते 23 बकरी, दो खच्चर भी झुलस कर मर गए।

इस भीषण अग्निकांड में पीड़ितों को करीब तीन लाख से अधिक का नुकसान होने का अनुसार ग्रामीणों के द्वारा बताया गया। इस अग्निकांड की सूचना लोगों ने राजस्व कर्मियों को दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे लेखपाल ने नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिया। घटना के समय मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि उपरोक्त पीड़ित परिवार के सभी लोग एक मांगलिक कार्य में भाग ले?ने के लिए सुबह गाजीपुर गए थे। बताया कि इस दौरान बस्ती के नथुनी कन्नौजिया की झोपड़ी से आग की अचानक लपटें उठने लगी, लोग कुछ समझ पाते कि आग ने अगल बगल की झोपड़ियों को अपने आगोश में ले लिया। ग्रामीणों ने बताया कि आग की लपटें इतनी तेज थी कि कोई पास जानें की जहमत नहीं उठा पा रहा था। आग का प्रभाव व पछुंआ हवा का दबाव कम होने पर लोग अपने निजी संसाधनों के सहारे आग पर काबू पाने में जुट गए।

रसड़ा नगर पालिका के चेयरमैन सहित 13 के खिलाफ केस दर्ज

केटी न्यूज/ बलिया

जिले के छितौनी गांव निवासी शमशेर सिंह ने रसड़ा नगर पालिका के चेयरमैन विनय जायसवाल सहित 13 पर फर्जी जमीन रजिस्ट्री व पैसे खाते से निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। शमशेर सिंह ने एसपी देवरंजन वर्मा को दी शिकायत में कहा कि मौजा छितौनी बाहर परगना लखनेश्वर तहसील रसड़ा में उनके नाम से जमीन है। विनय शंकर, जय प्रकाश, राजा राम, श्रवण, शशांक, संजय, संजय, अखिलेंद्र, आदिल, रेहान निवासी कस्वा रसड़ा व अरविंद निवासी पिपार गाजीपुर, राजाराम निवासी छितौनी व बृजेश, राजेश निवासी लखनऊ ने आपस में मिलकर प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जी तरीके से जमीन रजिस्ट्री करवा ली। कहा कि उक्त लोगों ने विनय शंकर के घर ले जाकर जमीन के लिए एक करोड़ 70 लाख रुपये दाम तय किए, उसी दौरान नशीला पदार्थ खिलाकर मुझे लखनऊ ले गए। 15 जून 2022 को मुझे डरा धमकाकर व नशीला पदार्थ खिलाकर मेरी जमीन रजिस्ट्री करवा ली। उधर इस संबंध में कोतवाल क्षितिज त्रिपाठी ने कहा की शमशेर सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान की जिलाधिकारी ने की समीक्षा, बोले...

तैयारियों से संबंधित रिपोर्ट तीन दिन में करें प्रस्तुत

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं घर- घर दस्तक अभियान की अंतर्विभागीय जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले में संचारी अभियान के तहत होने वाली कार्रवाइयों के बारे में बताया गया। यह अभियान 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 तक संचालित किया जाएगा। इसमें विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 अप्रैल से 30 अप्रैल और घर-घर दस्तक अभियान 10 से 30 अप्रैल 2024 तक चलेगा। इस बैठक में जिलाधिकारी ने हीट वेव से बचाव को लेकर जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण क्षेत्रों,नगरपालिका एवं नगर पंचायतों में पीने के पानी सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सीएमओ को जिला अस्पताल सहित सभी सीएचसी, पीएचसी पर हीट वेव को लेकर की गई व्यवस्थाओं का एसीएमओ और डिप्टी सीएमओ के माध्यम से मॉनिटरिंग कराने और तैयारियों से संबंधित रिपोर्ट सभी को तीन दिन में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। लोगों को पीने के पानी को लेकर कोई समस्या न हो, इसके लिए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में डीपीआरओ और नगरीय क्षेत्रों में संबंधित अधिशासी अधिकारियों को पीने के पानी की समस्या को दूर करने के लिए खराब पड़े आरो प्लांट, हैंडपंप और टंकी की मरम्मत कराने और आज शाम तक इससे संबंधित रिपोर्ट सीआर?ओ के माध्यम से प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सीएचसी पर शासन के निदेर्शानुसार हीटवेब के दृष्टिगत एक कूलिंग कमरा 24 घंटे संचालित अवस्था में अवश्य होने चाहिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, सीएमओ डॉ विजयपति द्विवेदी, डीपीएम आर बी यादव, सीएमएस डॉ सुजीत कुमार यादव और सुमिता सिंन्हा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सुभाषितम्

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें।

- वाल्टेयर

ऐसे में संविधान व लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं सुरक्षित रह पाएंगी?

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने एक इंटरव्यू लिया। जो यूट्यूब पर चल रहा है। इस इंटरव्यू में उन्होंने राज्यसभा के सांसद संजय सिंह जो मनी लॉड्रिंग के आरोप में 183 दिन जेल में बंद रहे। ईडी के आरोपी साकेत गोखले भी 157 दिन तक जेल में बंद रहकर जमानत पर बाहर हैं। इसके अलावा प्रियंका चतुर्वेदी राज्यसभा की सदस्य और शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की प्रवक्ता हैं। ईडी के अधिकारियों ने संजय सिंह और साकेत गोखले से किस तरह के सवाल जवाब किये। उनके ऊपर क्या आरोप थे। इन्हें इतने लंबे समय तक जमानत क्यों नहीं मिली। ट्रायल कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका को लेकर भी चर्चा की गई। जेल में किस तरह का व्यवहार किया गया। इस पूरे इंटरव्यू में ईडी के अधिकारियों की मनमानी, सबूत जुटाने के नाम से कई महीनों और वर्षों तक जेल में बंद रखने के संबंध में चर्चा की गई। ट्रायल कोर्ट में आरोपियों की बात नहीं सुने जाने, ईडी द्वारा पूछताछ के दौरान शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना, जेल में अमानवीय व्यवहार को लेकर इस इंटरव्यू में संजय सिंह और साकेत गोखले ने पूरा सच बताया। सबसे बड़ी बात यह है कि कानून के सबसे बड़े जानकार, कपिल सिब्बल द्वारा यह इंटरव्यू प्रायोजित किया गया था। ईडी से संबंधित मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वह अपने मुवक्किल के लिए पैरवी भी कर रहे हैं। जो कई महीनो से जेल में बंद है। ईडी गैर कानूनी ढंग से उन्हें हिरासत में रख पा रही है, तो हिरासत से रिहा कराने की जिम्मेदारी अधिवक्ता की ही होती है। संजय सिंह ने अपनी गिरफ्तारी को लेकर कोई बात नहीं की। जमानत की शर्तों में उन्हें अपने केस से संबंधित बात करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। संजय सिंह ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर जरूर तथ्य सामने रखे। उन्होंने यह भी कहा, कि सैकड़ों छापे डालने के बाद ईडी की कस्टडी और ज्यूडिशरी कस्टडी में कई माह से बंद होने के बाद भी ईडी कोई सबूत नहीं जुटा पाई। किस तरह से ईडी के अधिकारी विपक्षी दल के नेता को प्रताड़ित कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से जो जानकारी सामने आई है। उससे भी स्पष्ट हो गया है। जिस व्यक्ति के बयान पर अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बंद रखा गया है। उसने भाजपा को करोड़ों रुपए का चंदा दिया है। शराब घोटाले का मनी ट्रेल उजागर होने के बाद भी शराब घोटाले की जांच ईडी के अधिकारी नहीं कर रहे हैं। ट्रायल कोर्ट में आरोपियों के बयान नहीं सुने जा रहे हैं। ट्रायल कोर्ट, ईडी के आवेदन पर ही ध्यान देकर निर्णय करती है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा माननीय जजों के सामने असहाय होने की बात स्वीकार की। साक्षात्कार में कहा गया कि संसद में सांसदों को बोलने का अवसर नहीं दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय सरकार द्वारा बदल दिए जाते हैं। दिल्ली सरकार के बारे में जो फैसला सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने दिया था, उसे सरकार ने अध्यादेश लाकर बदल दिया। मीडिया, सरकार जो कहती है, वही दिखाती है। देश में लोकतंत्र पूरी तरह से खत्म हो गया है। पूर्व कानून मंत्री और वरिष्ठ वकील इन मामलों की पैरवी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में स्वयं कर रहे हैं। उसके बाद भी न्याय दिलाने में असमर्थता जताते हुए जिस तरह से अपना पल्ला झाड़ते हैं, यह चिंता का विषय है। संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुसार बनाए गए नियम और कानूनों के अनुसार काम हो रहा है, या नहीं? संविधान ने इसका दायित्व न्यायपालिका को दिया है। जजों के साथ-साथ अधिवक्ता भी न्याय पालिका के अंग होते हैं। जजों के सामने इन्हें अपनी बात अच्छे तरीके से रखना होता है। यदि कोई जज निष्पक्षता से काम नहीं कर रहा है, उनके कामकाज को लेकर ट्रायल कोर्ट के जजों की शिकायत हाईकोर्ट में प्रशासनिक जज से की जा सकती है।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे। एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए। अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

- ललित गर्ग

मानवीय गतिविधियों और क्रिया-कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल-संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था - एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है. वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दशार्ता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है। लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल-संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन हैं नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, इनकी रक्षा करो, इन्हें अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाकर या उनका जीर्णोद्धार करके बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है।

कुछ की धड़कनें बढ़ीं, तो कोई सुखद सपने देखने लगा...

- चैतन्य भट्ट

मध्य प्रदेश के बहुत सारे मंत्रियों और विधायकों की सांस इस वक्त अटक गई है, दिल की धड़कनें इतनी तेज चल रही है जिसका कोई हिसाब नहीं है और क्यों ना धड़के, क्यों ना तेज चले। देश में भारतीय जनता पार्टी के दमदार नेता गृहमंत्री अमित शाह जी ने साफ-साफ कह दिया भोपाल में कि जिन मंत्रियों और विधायकों के इलाके में कम वोटिंग हुई है वे अपना बोरिया बिस्तर बांध कर रखें क्योंकि जिन मंत्रियों के इलाके में कम वोटिंग हुई है उनका मंत्री पद खतरे में पड़ सकता है और जिन विधायकों के इलाके में अच्छी खासी वोटिंग हुई है उन्हें मंत्री पद से नवाजा जा सकता है, अब जिन मंत्रियों के इलाके में कम वोटिंग हुई है वे भारी परेशान और हलाकान्न हैं उन्हें समझ में नहीं आ रहा कि वे क्या और कौन सा बहाना बनाएं। क्या ये कहें कि गर्मी बहुत थी इसलिए लोगों ने वोट नहीं दिया या फिर ये बताएं कि लोगों की वोट के प्रति आस्था कम हो गई है या फिर ये बताएं कि मतदाता ने कह दिया है कि हम जिस पार्टी के उम्मीदवार को वोट देते हैं वो जीतने के बाद दूसरी पार्टी का दुपट्टा ओढ़ लेता है इसलिए हम वोट डालें तो क्यों डालें ?और कौन से दूसरे बहाने बनाएं यह भी उन्हें समझ में नहीं आ रहा इधर उन विधायकों के मन में लड्डू फूट रहे हैं जिनके इलाके में अच्छा खासा मतदान हुआ है वे दिन में ही सपने में लाल बत्ती की गाड़ी, बंगला, दफ्तर, अर्दली, जय जयकार करती जनता, सर झुकाए खड़े अफसर का सपना देख रहे हैं। वे इंतजार कर रहे हैं कि जैसे ही रिजल्ट आए वैसे ही उनकी मनोकामना पूरी हो जाए और जो अभी मंत्री बनकर ठाठ से घूम रहे हैं वे केवल विधायक बनकर रह जाएं। अब बेचारे मंत्री करें तो क्या करें एक-एक वोटर को तो घर से पकड़ कर ला नहीं सकते, कार्यकर्ता भी ये सोच रहा है कि अपन तो चार सौ पार हो रहे हैं तो काहे को इतनी गर्मी में मेहनत करें और लोगों को वोट के लिए प्रेरित करें सुबह से ही घर में चुपचाप बैठ गए हैं , अब ऐसे में वोटिंग परसेंट तो कम होना ही है, इधर कांग्रेस भारी प्रसन्न है कि ये जो वोटिंग कम हुई है इसका लाभ उसको मिल जाएगा उसका सोचना है कि लोग अब भारतीय जनता पार्टी से ऊब चुके हैं कुल मिलाकर वोटरों ने जो अल्सेट पटकी है उससे चुनाव आयोग तक परेशान और हैरान है। बीजेपी कहां तो दस फीसदी वोट बढ़ाने की बात कर रही थी उधर दस पंद्रह फीसदी वोटिंग घट गई। सारे गणित फेल होते हुए दिखाई दे रहे हैं कांग्रेस कह रही है कि बीजेपी की तानाशाही के चलते वोटिंग कम हुई है तो बीजेपी कह रही है कि जितने भी वोट कम हुए हैं वे सब कांग्रेस के हैं हमारा वोटर को पक्का है वो इधर से उधर हो ही नहीं सकता।अब कौन सा वोटर किस तरफ चला गया या कहीं गया ही नहीं यह तो 4 तारीख को पता लगेगा लेकिन तब तक चार तारीख नहीं आ जाती तब तक तमाम पार्टियों के नेताओं में धुकधुकी बनी रहेगी।

गारंटी और वारंटी

इन दिनों पूरे देश में गारंटीयों का बाजार बेहद गर्म है, हर जगह गारंटी ही गारंटी दी जा रही है। कहीं मोदी जी की गारंटी है तो कहीं कांग्रेस के न्याय पत्र की गारंटी है तो चुनाव आयोग की निष्पक्ष चुनाव करवाने की गारंटी है, पर बाजार में हर चीज की गारंटी नहीं मिल पा रही है वे गारंटी की बजाय वारंटी दे रहे हैं आप जो कुछ खरीदना चाहे खरीद लो लेकिन गारंटी नहीं वारंटी मिल रही हैअपने को तो समझ में नहीं आता कि जब पूरे देश में गारंटी चल रही है तो फिर ये बड़ी-बड़ी कंपनियां गारंटी क्यों नहीं दे रही वारंटी क्यों दे रही है। कम से कम देश की पार्टियों से कुछ तो सीख लेना चाहिए वैसे पॉलीटिकल पार्टी की गारंटीयों पर वोटरों का भरोसा कम हो गया है और शायद यही कारण है कि वो भी यही गारंटी दे रहा है कि तुम चाहे कितने भी प्रयास कर लो कितनी भी गारंटी दे दो लेकिन हम भी गारंटी दे रहे हैं कि हम वोट देने नहीं जाएंगे , लेकिन मतदाताओं की ये गारंटी लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है पांच साल में एक बार ही तो मौका मिलता है जब नेता आपके चरण छूने के लिए बेताब रहता है फिर पांच साल तो जनता को ही नेताजी की जय जयकार करना है उनके चरण छूना पड़ता है तो कम से कम वोट डालने तो जाओ वरना फिर यही होगा कि पचास फीसदी वोट पड़ेंगे और जिसको छब्बीस फीसदी वोट मिल जाएंगे वो सौ फीसदी जनता पर राज करेगा अपनी तो यही राय है की भैया सारे काम छोड़ो और सबसे पहले वोट डालने जाओ अपने को जो अधिकार मिला है उसका तो कम से कम उपयोग कर लो बाकी हर जीत तो लगी ही रहती है कभी कोई हारता है तो कभी कोई जीतता है आप अपने वोट का अधिकार क्यों खो रहे हो।

प्यार करना सिखाया जा रहा है

ये विदेश वाले जो ना करें थोड़ा है। एक खबर आई है कि बीजिंग की एक यूनिवर्सिटी है जिसने एक नया कोर्स शुरू किया है कि प्यार कैसे किया जाता है अपने को तो समझ ही नहीं आता कि प्यार क्या सिखाने से आता है? प्यार तो दिल का मामला है जिस पर आ गया तो आ गया, ऊपर वाले ने पहले से ही सिखा कर भेजा है इसमें किसी डिग्री की जरूरत थोड़ी है कब किस पर प्यार आ जाए कब कौन किसका आशिक बन जाए, कब किसी को कौन अपनी महबूबा मान ले यह कोई नहीं जानता। अपने यहां तो पहली नजर में ही प्यार हो जाता है लड़की ने लड़के को देखा, लड़के ने लड़की को देखा, दोनों का दिल धड़का और प्यार हो गया अब इसमें कौन सी डिग्री की जरूरत थी भैया। लोग बाग ये भी कहते हैं कि प्यार करने वाले कभी डरते नहीं, जो डरते हैं वो प्यार करते नहीं इसलिए अपने भारत में हर आदमी अपने को डरपोक सिद्ध नहीं करना चाहता तो प्यार कर लेता है, प्यार तो फिर ईश्वर की दी हुई नेमत है। प्यार के तो कई रूप भी हैं मां भी प्यार करती है, पिता भी प्यार करता है बहन भाई को प्यार करती है तो भाई बहन को प्यार करता है, दोस्त दोस्त को प्यार करते हैं अब जब हर तरफ प्यार की बयान बह रही हो तो फिर कौन सा कोर्स यूनिवर्सिटी वाले शुरू करना चाह रहे हैं।

मतदान का घटता प्रतिशत.... अनिवार्यता की चर्चा...?

-ओमप्रकाश मेहता

पिछले कुछ सालों के चुनावी आंकड़ों से यह स्पष्ट हो रहा है कि देश में होने वाले हर चुनाव में मतदान के प्रतिशत में पिछले चुनाव की अपेक्षा कमी होती जा रही है, यद्यपि इस समस्या को लेकर अलग- अलग स्तरों पर विभिन्न तरह की चचाओं का दौर जारी है और इस समस्या के अनेक कारण भी गिनाए जा रहे है, किंतु यह तो कटुसत्य है कि देश के मतदाताओं में अपने इस प्रथम महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन में अरूचि या लापरवाही स्पष्ट परिलक्षित हो रही है। यद्यपि इस मसले को लेकर विभिन्न स्तरों पर चचाओं का दौर जारी है, कोई इसका कारण मतदाताओं का उनकी निजी पारिवारिक समस्याओं में उलझना बता रहा है, तो कोई राजनीति और राजनेताओं की लोकसेवा सम्बंधी रूचि की ओर ईशारा कर रहा है, जो कारण भी हो, किंतु यह सही है कि यह समस्या किसी भी लोकतंत्री देश के लिए उचित नही कही जा सकती। इस समस्या को लेकर मुख्यतः दो मुख्य कारण बताए जाते है:- पहला- मतदाता की अपनी निजी पारिवारिक समस्या या परेशानी, जिसके कारण मतदान को वह प्राथमिकता नहीं देता। दूसरा- राजनीति और राजनेताओं में सत्ता स्वार्थ की भावना, अब हर पांच साल में सिर्फ एक या दो महीनें ही मतदाताओं की राजनेताओं या कथित लोकसेवकों द्वारा खोज-खबर ली जाती है, शेष चार साल दस महीनें मतदाता पूरी तरह उपेक्षित रहता है, अब सवाल यह उठता है कि हमारे देश को आजाद कराने वाले महान नेताओं महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू आदि ने देश में कभी ऐसी स्थिति की कल्पना की थी? और यदि की होती तो क्या वे देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्यौछावर करते? खैर, छोडिए.... फिलहाल इस पर चिंतन जरूरी नहीं है, बल्कि आज के नेताओं की सत्ता लौलूपता और मतदाता की स्थिति पर चिंतन जरूरी है और उसकी कई स्तरों पर तैयारी भी की जा रही है। ....अब सर्वप्रथम तो दिनों-दिन घट रहे मतदान प्रतिशत पर देश को चिंतन या चिंता करना चाहिए.... इसी को लेकर आज यह भी एक उपाय सुझाया जा रहा है कि कानून में संशोधन कर हर मतदाता के लिए मतदान अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए, किंतु यहां यह भी चिंतन का विषय होना चाहिए कि ह्यह्यक्या हर समस्या का हल कानून है?ह्लह्ल क्या स्वतंत्र देश के नागरिकों को किसी तरह की निजी स्वतंत्रता नहीं होनी चाहिए? और दुनिया के जिन देशों ने घटते मतदान की समस्या को खत्म करने के लिए ह्यमतदान अनिवार्यह्ल किया, उन देशों की स्थिति क्या है? विश्व में बैल्जियम पहला देश है जिसने सन्‍ 1892 में अनिवार्य मतदान का कानून लागू किया, जबकि आस्टेजलिया में बिना किसी कानून के मतदान का प्रतिशत 90 तक रहता है, सन्‍ 1925 में आस्ट्रेलिया में ह्यअनिवार्यह्ल का नियम लागू किया था, जबकि जर्मनी, इंग्लैण्ड में बिना किसी अनिवर्यता के मतदान का प्रतिशत 60 से 75 फीसदी तक रहता है, फिर हमारे भारत में ही क्यों चुनाव दर चुनाव मतदान प्रतिशत घट रहा है? और वास्तव में इसके लिए दोषी कौन है? और क्या इस समस्या का एकमात्र निदान मतदान की कानूनी अनिवार्यता ही है? अब आज सही वक्त है कि देश में हर स्तर पर इस देशव्यापी समस्या पर गंभीर चिंतन किया जाना चाहिए, क्योंकि मतदान प्रतिशत इसी तरह घटता चला गया तो यह माना जाएगा कि हमारा लोकतंत्रीय व्यवस्था के प्रति विश्वास कम होता जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन समस्याओं से भरा हो सकता है। आज बैंक से लोन लेने के बारे में सोच रहे हैं तो न लें।

तुला आज सभी योजनाएं सफल होंगी। आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ काफी व्यस्तता में बीतेगा और आपको दौड़भाग कुछ मामलों में अधिक करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक आज आपका मन परेशान रहेगा। आज आप व्यापार के लिए जो भी प्रयास करेंगे।

मिथुन आज जरूरी है कि आप फालतू के खर्च से बचें। आज आपकी समस्याएं थोड़ी बढ़ सकती है।

धनु बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी।

कर्क आज भाग्य की दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा। आपको आज परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा।

मकर बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे जो कि मजबूरी में करने पड़ेंगे।

सिंह आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आपके धन में वृद्धि होगी और भाग्य आपका साथ देगा।

कुंभ दिन बुद्धि विवेक से नई खोज में बीतेगा। सीमित और आवश्यकतानुसार ही व्यय करें।

कन्या आज आपमें निर्भीकता का भाव रहेगा। साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को फैसला करें।

मीन खुश मिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपके करीब आने का प्रयास करेंगे।

विशेष

त्रिशंकु लोकसभा के आसार दिखने लगे हैं

35 साल बाद एक बार फिर त्रिशंकू लोकसभा के आसार दिखने लगे हैं। 1989 से लेकर 2014 तक किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। 35 वर्षों तक केंद्र में गठबंधन की सरकार बनी रही। 2014 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला। पिछले 10 वर्षों से पूर्ण बहुमत वाली सरकार केंद्र में है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर त्रिशंकु लोकसभा के आसार दिख रहे हैं। दूसरे चरण के मतदान होने के बाद यह माना जा रहा है,इस बार एनडीए को 257 और इंडिया गठबंधन को 271 सीटें मिल सकती हैं। किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल रहा है। एक बार फिर केंद्र में गठबंधन की सरकार बनने की स्थितियां बन गई हैं।

दूसरे चरण का मतदान इंडिया के पक्ष में

लोकसभा का चुनाव सात चरणों में होने जा रहा है। प्रथम और द्वितीय चरण के मतदान के बाद,राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने अपनी बढ़त बना ली है। पहले और दूसरे चरण के चुनाव ने चुनाव का पूरा नेगेटिव ही बदल दिया है। दूसरे चरण के चुनाव में उत्तर भारत की लोकसभा सीटें जो पिछली बार भाजपा ने जीती थी। इस बार इंडिया गठबंधन ने उसमें सेंध लगा दी है। 12 राज्यों के 88 सीटों पर दूसरे चरण का जो मतदान हुआ है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1030: गजनी के सुल्तान महमूद की मौत हुई. 1789: जार्ज वाशिंगटन अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने. 1824: मिस्त्र ने क्रोट पर कब्जा किया. 1863: ईस्ट इंडिया कंपनी की नौसेना ब्रिटिश नौसेना में शामिल की गई. 1870: हिन्दी सिनेमा के जनक दादासाहब फाल्के का जन्म. 1881: फ्रांस की नौसेना ने बिजेर्टा पर कब्जा किया और सैनिकों को टयूनिस पर किया. 1900: हवाई अमेरिका का राज्य बना. 1908: क्रांतिकारी खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मजिस्ट्रेट किंग्स फोर्ड पर बम फेंका, लेकिन दो निर्दोष महिलाएं मारी गई. 1936: महात्मा गांधी ने सेवाग्राम आश्रम को अपना आवास बनाया. 1953: ब्रिटिश गुयाना में पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी को पहले चुनावों में भारी सफलता मिली. 1970 अमेरिका ने कंबोडिया के भीतरी इलाकों में कम्युनिस्टों के ठिकानों पर कारवाई की अनुमति दी.

दैनिक पंचांग

30 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.20 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	08.18 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.31 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.48 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	14.59 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	17.10 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.25 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.41 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.46 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.33 बजे से
3.00 से 4.30		मीन	03.05 बजे से
बजे तक		मेष	04.36 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 121 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 07.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 04.09 बजे रात्र को समाप्त।
योग साध्य 22.24 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.06 बजे तदनन्तर विष्टि 18.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871965
जूलियन दिन 2460430.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

राजस्थान में इस बार भाजपा की

25 सीटों पर हैट्रिक मुश्किल

राजस्थान में भाजपा के लिए 2014 और 2019 की तरह सभी 25 सीटें जीतना इस बार आसान नहीं लग रहा है। बल्कि जमीनी रिपोर्ट संकेत दे रही हैं कि भाजपा कम से कम चार पांच सीटें हार सकती है। 19 अप्रेल को जिन 12 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुआ है, उनमें ही पांच सीटों चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर और दौसा सीटों पर भाजपा के पसीने छूट गए। 19 अप्रेल को श्रीगंगानगर, बीकानेर, चुरू, नागौर, झुंझुनू, सीकर, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, भरतपुर, दौसा और करौली धोलपुर में वोटिंग हो चुकी है। बाकी की 13 सीटों पर 26 अप्रेल को वोटिंग होगी। लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां जिन पांच सीटों पर कांटेदार टक्कर हुई, उनमें नागौर की चर्चा सबसे ज्यादा रही। भाजपा ने लगातार तीन बार कांग्रेस टिकट पर हारी मिर्धा परिवार की ज्योति मिर्धा को दलबदल करवा कर उम्मीदवार बनाया। पिछली बार भाजपा ने यह सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल के लिए छोडी थी, वह जीते भी। बेनीवाल के कारण युवा जाट बड़ी तादाद में भाजपा से जुड़े, जिससे भाजपा को बाकी सीटों पर भी जाट वोटों का फायदा हुआ, लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ वे एनडीए छोड़ गए, और इस बार कांग्रेस के समर्थन से मैदान में हैं। ज्योति मिर्धा दो बार लोकसभा चुनाव बेनीवाल के कारण ही हारी थी, पिछला चुनाव तो खुद उनसे हार गई। हालांकि 2009 में ज्योति कांग्रेस टिकट पर जीती भी थी, लेकिन अगले दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद 2023 में वह भाजपा में शामिल हो गई। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ज्योति मिर्धा को नागौर शहर से चुनाव मैदान में उतारा। लेकिन भाजपा के टिकट पर उतरने के बाद भी ज्योति को कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा ने 13970 वोटों से हरा दिया। इस प्रकार ज्योति मिर्धा को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। बार-बार चुनाव हारने के कारण बुजुर्ग मतदाताओं में उनके प्रति सहानुभूति तो है, लेकिन ज्योति मिर्धा के सामने हनुमान बेनीवाल हैं, जिन्होंने युवा जाट वोटरों में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसलिए यह सीट भाजपा के लिए खतरे से खाली नहीं है। दूसरे नंबर पर भाजपा के लिए खतरे वाली सीट चूरू है। चूरू जिले की तारानगर सीट से भाजपा के बड़े नेता राजेन्द्र राठौड़ विधानसभा चुनाव हार गए थे, जो खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार मानते थे। राजेन्द्र राठौड़ ने अपनी हार का दोष स्थानीय सांसद राहुल कस्वां पर डाल कर उनका टिकट कटवा दिया। राजेन्द्र राठौड़ का आरोप था कि राहुल कस्वां ने उन्हें हराने के लिए कांग्रेसी उम्मीदवार नरेंद्र बुडानिया की मदद की। भीतरघात के आरोप में कस्वां का टिकट कटा, तो वह कांग्रेस में शामिल होकर कांग्रेस के उम्मीदवार बन गए। कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रिश्तेदार हैं। मोदी ने उन्हें जाट वोटों को रोकने के लिए ही उपराष्ट्रपति बनाया, लेकिन वह अपने रिश्तेदार को ही नहीं रोक सके। भाजपा ने कस्वां के सामने जाट समाज के ही पैरा एथलीट देवेंद्र झाझड़ियां को मैदान में उतारा। कस्वां का टिकट कटने के बाद से जाट समाज का एक वर्ग भाजपा से नाराज है, जिसका नतीजा झाझड़िया को भुगतना पड़ सकता है। इसलिए यह सीट भी खतरे से खाली नहीं है। वैसे भी जाट परंपरागत रूप से कांग्रेस समर्थक रहा है। कड़े मुकाबले में भाजपा खुन्नस में काटी गई टिकट की वजह से अपनी यह सीट गंवा सकती है। तीसरे नंबर पर भाजपा के लिए खतरे वाली सीट सीकर है। सीकर हालांकि जाट बहुल सीट है, जाटों में कांग्रेस का प्रभाव भी है, लेकिन यह सीट कांग्रेस सात बार जीती और दस बार हारी है। इसलिए कांग्रेस ने यह सीट गठबंधन में सीपीएम को दे दी, जिसने किसान नेता अमरा राम को अपना उम्मीदवार बनाया। भाजपा ने दो बार के सांसद सुमेधानन्द सरस्वती को ही तीसरी बार भी टिकट दिया है, जिन्हें खुद की एंटी इनकम्बेंसी का सामना करना पड़ा। तीन चुनावों में पहली बार कांटे की टक्कर दिखाई दी। सत्रह बार के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस सीट को सिर्फ सात बार जीती है, जबकि सात बार जनसंघ या भाजपा के उम्मीदवार जीते, तीन बार गैर भाजपा-गैर कांग्रेस, एक बार जनता दल की टिकट पर चौधरी देवी लाल, एक बार जनता पार्टी सेक्यूलर की टिकट पर कुंभा राम आर्य और 1952 में पहला चुनाव राम राज्य परिषद की टिकट पर नन्द

लाल शर्मा जीते थे। भाजपा के लिए खतरे वाली चौथी सीट झुंझुनूं है, जो राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की सीट है, जनता दल की टिकट पर वह झुंझनू से 1989 में जीते थे, हालांकि इसके बाद वह कभी भी नहीं जीत सके। इसके बाद 2009 तक यह सीट कांग्रेस के पास रही, जिनमें 1996 से 2009 तक पांच बार लगातार कांग्रेस के मौजूदा उम्मीदवार बृजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला सांसद थे। बृजेंद्र ओला अभी कांग्रेस विधायक हैं, भाजपा पिछले दो चुनाव जीती जरुर, लेकिन हर बार उम्मीदवार बदल कर। 2014 में संतोष अहलावत जीती थी, 2019 में नरेंद्र कुमार जीते थे, और इस बार भाजपा ने शुभकरण चौधरी को टिकट दिया है। शीश राम ओला के बेटे को अपना उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस ने झूंझनू सीट में कांटेदार टक्कर बना दी है। भाजपा ने लगातार तीन बार कांग्रेस टिकट पर हारी मिर्धा परिवार की ज्योति मिर्धा को दलबदल करवा कर उम्मीदवार बनाया। पिछली बार भाजपा ने यह सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल के लिए छोडी थी, वह जीते भी। बेनीवाल के कारण युवा जाट बड़ी तादाद में भाजपा से जुड़े, जिससे भाजपा को बाकी सीटों पर भी जाट वोटों का फायदा हुआ, लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ वे एनडीए छोड़ गए, और इस बार कांग्रेस के समर्थन से मैदान में हैं। ज्योति मिर्धा दो बार लोकसभा चुनाव बेनीवाल के कारण ही हारी थी, पिछला चुनाव तो खुद उनसे हार गई। हालांकि 2009 में ज्योति कांग्रेस टिकट पर जीती भी थी, लेकिन अगले दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद 2023 में वह भाजपा में शामिल हो गई। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ज्योति मिर्धा को नागौर शहर से चुनाव मैदान में उतारा। लेकिन भाजपा के टिकट पर उतरने के बाद भी ज्योति को कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा ने 13970 वोटों से हरा दिया। इस प्रकार ज्योति मिर्धा को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। बार-बार चुनाव हारने के कारण बुजुर्ग मतदाताओं में उनके प्रति सहानुभूति तो है, लेकिन ज्योति मिर्धा के सामने हनुमान बेनीवाल हैं, जिन्होंने युवा जाट वोटरों में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसलिए यह सीट भाजपा के लिए खतरे से खाली नहीं है।

भाजपा ने लगातार तीन बार कांग्रेस टिकट पर हारी मिर्धा परिवार की ज्योति मिर्धा को दलबदल करवा कर उम्मीदवार बनाया। पिछली बार भाजपा ने यह सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल के लिए छोडी थी, वह जीते भी। बेनीवाल के कारण युवा जाट बड़ी तादाद में भाजपा से जुड़े, जिससे भाजपा को बाकी सीटों पर भी जाट वोटों का फायदा हुआ, लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ वे एनडीए छोड़ गए, और इस बार कांग्रेस के समर्थन से मैदान में हैं। ज्योति मिर्धा दो बार लोकसभा चुनाव बेनीवाल के कारण ही हारी थी, पिछला चुनाव तो खुद उनसे हार गई। हालांकि 2009 में ज्योति कांग्रेस टिकट पर जीती भी थी, लेकिन अगले दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद 2023 में वह भाजपा में शामिल हो गई। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ज्योति मिर्धा को नागौर शहर से चुनाव मैदान में उतारा। लेकिन भाजपा के टिकट पर उतरने के बाद भी ज्योति को कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा ने 13970 वोटों से हरा दिया। इस प्रकार ज्योति मिर्धा को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। बार-बार चुनाव हारने के कारण बुजुर्ग मतदाताओं में उनके प्रति सहानुभूति तो है, लेकिन ज्योति मिर्धा के सामने हनुमान बेनीवाल हैं, जिन्होंने युवा जाट वोटरों में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसलिए यह सीट भाजपा के लिए खतरे से खाली नहीं है।

ओला और चौधरी के जरिए दोनों पार्टियों ने जाट मतदाताओं को साधने का प्रयास किया है। भाजपा की पांचवीं खतरे वाली सीट दौसा है। जहां कांग्रेस ने दौसा से विधायक मुरारीलाल मीणा को टिकट दिया है, उनके सचिन पायलट खेमे के नेता होने के कारण गुर्जर वोट बैंक का भी उन्हें लाभ मिला है। सचिन पायलट के लिए इस सीट को जिताना अपने राजनीतिक भविष्य के लिए भी जरूरी था, इसलिए उन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। भाजपा ने बस्सी से पूर्व विधायक कन्हैया लाल मीणा को मैदान में उतारा था। गुर्जर, मीणा, दलित और मुस्लिम वोटर्स के समीकरणों की वजह से कांग्रेस का पक्ष मजबूत दिखाई देता है। अगर कांग्रेस में भीतरघात न हुआ, तो दौसा भाजपा के लिए अत्यंत मुश्किल सीट है।

उम्मीदवार बदलने और उम्मीदवार के बाहरी होने के कारण अलवर भी भाजपा के लिए आसान सीट नहीं रही। भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को टिकट दिया, वह मूल रूप से हरियाणा से हैं। जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार ललित यादव स्थानीय राठ क्षेत्र से हैं, इसलिए कांग्रेस ने भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ बाहरी होने का मुद्दा बनाया। मुंडावर, बहरोड़ विधानसभा क्षेत्रों में उनकी पकड़ भी काफी मजबूत है। भूपेन्द्र यादव को अलवर से उतारने के बाद भाजपा नेतृत्व को बहुत पापड़ बेलने पड़े। खुद नरेंद्र मोदी और अमित शाह उनके इलाके में रैली करने गए। इसके बावजूद खतरे से बचने के लिए भूपेन्द्र यादव ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और मोदी की गारंटी को अपने प्रचार का मुद्दा बनाकर ही प्रचार किया। इसके अलावा जाट बहुल लेकिन अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट भरतपुर में भी भाजपा को जाट आंदोलन का सामना करना पड़ा। भरतपुर सीट पर जाट आरक्षण आंदोलन की हवा बह रही थी। क्षेत्र में करीब 5 लाख जाट वोटर्स हैं। वहीं करीब 3.50 लाख जाटव वोटर्स हैं, जो एक बड़ा वर्ग है। कांग्रेस कैंडिडेट संजना इसी समाज से हैं। भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप कोली पहले बयाना (अब भरतपुर) सीट से लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं। वैसे तो राज्य की सभी सीटों पर भाजपा ने राम मन्दिर, अनुच्छेद 370 और मोदी सरकार की योजनाओं और मोदी की गारंटियों को ही मुद्दा बना कर चुनाव लड़ा। जिससे जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, करौली-धोलपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर में हिंदू वोटों की लामबंदी हुई। जयपुर शहर की सीट पर बीजेपी ने दिग्गज नेता रहे भंवरलाल शर्मा की बेटी मंजू शर्मा को उम्मीदवार बनाया, समीकरणों के हिसाब से भी यहां भाजपा को मजबूत माना जाता रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रोड शो के लिए भी जयपुर का ऐसा ही इलाका चुना। जयपुर ग्रामीण सीट पर भाजपा ने पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह को टिकट दिया, जबकि ।कांग्रेस ने सचिन पायलट खेमे के अनिल चोपड़ा को उम्मीदवार बनाया है। राव राजेंद्र सिंह को भाजपा के मजबूत कैडर का समर्थन और राम मंदिर के मुद्दे की वजह से शहर-कस्बों में फायदा हो रहा है। करौली सीट पर भी भाजपा ने अपने सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काटकर इंदु देवी को मैदान में उतारा है। जहां जहा भाजपा ने उम्मीदवार बदला, वहां वहां उसे मुश्किल का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के उम्मीदवार भजनलाल जाटव भी दो बार विधायक और एक बार मंत्री रह चुके थे, जिस कारण उनकी लोकप्रियता बनी हुई है। फिर भी यह सीट भाजपा के लिए मजबूत मानी जाती है। बीकानेर में फिर से भाजपा ने कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को ही अपना उम्मीदवार बनाया, जिन्हें मोदी के नजदीक माना जाता है। श्रीगंगानगर सीट भी भाजपा के लिए सुरक्षित कही जा सकती है, हालांकि इस सीट पर भी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बदल दिया। भाजपा से प्रियंका बैलान उम्मीदवार है, जबकि कांग्रेस ने कुलदीप इंदौरा को उम्मीदवार बनाया है।

कर्नाटक के पूर्व डिप्टी सीएम ईश्वरप्पा को

भाजपा ने पार्टी से निकाला

ईश्वरप्पा ने पार्टी हाई कमान के लाख मना करने के बावजूद लोकसभा चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवारी छोड़ने से साफ मना कर दिया था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के बेटे के खिलाफ चुनावी ताल ठोकी है। उन्होंने येदियुरप्पा और उनके बेटे का जिक्र करते हुए भाजपा पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया था कि वह भाजपा को पिता और पुत्रों की राजनीति से मुक्त करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा ने पार्टी अनुशासन के उल्लंघन में कर्नाटक के पूर्व डिप्टी सीएम ईश्वरप्पा को छह साल के लिए पार्टी से बाहर निकाल दिया है। उन्होंने येदियुरप्पा के बेटे के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। भाजपा ने पार्टी अनुशासन के उल्लंघन में कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री ईश्वरप्पा को छह साल के लिए पार्टी से बाहर निकाल दिया है। ईश्वरप्पा ने पार्टी हाई कमान के लाख मना करने के बावजूद लोकसभा चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवारी छोड़ने से साफ मना कर दिया था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के बेटे के खिलाफ चुनावी ताल ठोकी है। उन्होंने येदियुरप्पा और उनके बेटे का जिक्र करते हुए भाजपा पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया था कि वह भाजपा को पिता और पुत्रों की राजनीति से मुक्त करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने सोमवार को कर्नाटक के शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला करने वाले वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। ईश्वरप्पा ने इस महीने की शुरुआत में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। ऐसी रिपोर्ट है कि भाजपा ने उनके बेटे केई कंथेश को चुनावी टिकट देने से इनकार कर दिया था और उनकी जगह पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र को मैदान में उतारा था। येदियुरप्पा और उनके बेटे का जिक्र करते हुए, ईश्वरप्पा ने कहा था कि वह भाजपा को पिता और पुत्र के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। गौर हो कि शिवमोग्गा में आम चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा।

चुनाव प्रचार में मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल

पूर्व उपमुख्यमंत्री तब विवादों में आ गए थे जब उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया और चुनाव प्रचार के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल किया। इसके बाद, भाजपा ने 10 अप्रैल को ईश्वरप्पा को मोदी की तस्वीर का उपयोग करने से रोकने के लिए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की थी। जिसमें कहा गया कि ईश्वरप्पा जनता को गुमराह कर रहे हैं कि वह पीएम मोदी और भाजपा की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं।

शाह के कहने पर भी नहीं माने

शिकायत में कहा गया, यह ऐसा दर्शाता है कि वह भाजपा का हिस्सा है, जो गलत है। कुछ दिनों बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईश्वरप्पा को फोन कर अपनी

उम्मीदवारी वापस लेने को कहा था। हालांकि, उन्होंने अनुरोध अस्वीकार कर दिया था और दावेदारी जारी रखी।13 अप्रैल को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, ईश्वरप्पा ने कहा, कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि मैं अपना नामांकन पत्र वापस ले लूंगा। जो लोग मेरे पीछेलगे हैं, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि मैं कभी विश्वासघात नहीं करूंगा और मैदान में डटा रहूंगा।

लोकसभा चुनाव प्रचार से गायब प्रियंका गांधी !

- **एमपी में पिछड़े वर्ग को रिझाने के लिए कांग्रेस का सिक्रेट प्लान**

(अंबिकेश्वर चतुर्वेदी)

मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 6 पर 19 अप्रैल को पहले चरण के तहत मतदान हो चुका है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जहां सिर्फ एक ही चुनावी सभा को संबोधित किया, वहीं उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी प्रचार मैदान से गायब दिखीं। अब प्रदेश कांग्रेस ने दूसरे, तीसरे और चौथे चरण के तहत होने वाले मतदान के लिए नई रणनीति बनाई है। अब कांग्रेस प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और सचिन पायलट को प्रचार के लिए मैदान में उतरने की तैयारी में है।

कांग्रेस मध्य प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के मतदाताओं को अपने पक्ष में रिझाने के लिए राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की सभाएं भी करवाएगी।

पार्टी ने इसके लिए उज्जैन, देवास और मंदसौर लोकसभा क्षेत्र में 25 अप्रैल को तीन चुनावी सभाएं प्लान की हैं। इस कार्यक्रम में पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के आने का भी कार्यक्रम है। कांग्रेस चाहती है कि प्रियंका गांधी मालवा क्षेत्र के साथ-साथ ग्वालियर और चंबल अंचल में भी सभा करने आएं। कांग्रेस के प्लान के मुताबिक राजस्थान के कांग्रेस नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट देवास लोकसभा क्षेत्र के सोनकच्छ विधानसभा क्षेत्र में एक सभा को संबोधित करेंगे। वह उज्जैन और मंदसौर में भी कार्यकर्ताओं से साथ बैठक करेंगे। आपको बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कार्यक्रम 24 अप्रैल को मुरैना में प्रस्तावित था, लेकिन यह दौरा टल गया है।

मंदसौर से कांग्रेस ने दिलीप सिंह गुर्जर को प्रत्याशी बनाया है। ये वही दिलीप सिंह गुर्जर है जो पिछले विधानसभा चुनाव में नागदा खाचरोद विधानसभा में चुनाव हार गए थे। वहीं उज्जैन लोकसभा सीट से कांग्रेस ने तराना विधायक महेश परमार को चुनाव मैदान में उतारा है।

विधानसभा में जोर-शोर से उतरी थीं प्रियंका गांधी

बता दें कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी ने धुआंधार प्रचार किया था। उन्होंने जबलपुर से चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी। प्रियंका गांधी ने तब ग्वालियर में भी चुनावी महासभा को संबोधित किया था और उन्होंने प्रदेश में रैलियां की थी।

ऑल टाइम फेवरिट वियर है डेनिम जैकेट

डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं।

डेनिम जैकेट एक ऐसा वियर है, जो ऑल टाइम फेवरिट है। किसी भी मौसम में डेनिम जैकेट को बेहद आसानी से कैरी किया जा सकता है। इस कपड़े की खासियत यह है कि आप इसे कई तरह से कैरी कर सकती हैं और हर बार एक डिफरेंट लुक पा सकती हैं। अगर आपके वार्डरोब में भी ब्लू डेनिम जैकेट है और आप उसे हर बार एक ही तरह से स्टाइल करती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको डेनिम जैकेट को स्टाइल करने के अलग-अलग तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं। अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में जैकेट पर पैच वर्क भी किया जा सकता है। फेमिनिन लुक के लिए आप इसके साथ सैंडल्स को पेयर करें। वहीं अगर आप स्पोर्टी टच चाहती हैं तो ऐसे में आप स्नीकर्स को स्टाइल कर सकती हैं। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यंग गर्ल्स पर इस तरह का स्टाइल काफी अच्छा लगता है। इसके लिए आप प्रिंटेड टीशर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पेयर करें। अपने आउटफिट की लेयरिंग के लिए आप डेनिम जैकेट को पहनें। इसके साथ लॉन्ग स्टेटमेंट ईयररिंग्स या बीड्स नेकपीस को स्टाइल करना अच्छा रहेगा।

लॉन्ग स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यह स्टाइल हर उम्र की महिला पर अच्छा लगता है और इसमें आप काफी कुछ कर सकती हैं। मसलन, अगर आप कलर ब्लॉकिंग करना चाहती हैं तो ऐसे में आप व्हाइट या ब्लैक टॉप के साथ किसी ब्राइट कलर की लॉन्ग स्कर्ट को पेयर करें। वहीं अपने लुक में स्टक्चर एड करने के लिए आप बेल्ट का सहारा भी ले सकती हैं। आखिरी में आप क्रॉप स्टाइल डेनिम जैकेट को पेयर करें। यह लुक एकदम क्लासी लगता है और कभी भी टेंड से आउट नहीं होता।

अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है रिश्ता

एक रिश्ता अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है। किसी के साथ एक रिश्ते में जुड़ने पर यकीनन आप कुछ अलग व खास महसूस कर रही होंगी। लेकिन इस प्यार भरी फीलिंग के बीच जरूरी है एक-दूसरे को समझना। एक रिश्ते को मजबूत होने और आपसी समझ विकसित होने में थोड़ा वक्त लगता है और यह केवल तभी संभव है, जब आप एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते व समझते हों। जब आप ऐसा करने में सक्षम हो जाते हैं तो इससे आपके रिश्ते को एक मजबूती और स्थिरता मिलती है। अब सवाल यह उठता है कि एक नए रिलेशनशिप में अपने पार्टनर को बेहतर तरीके से समझने के लिए आप क्या करें। इसके लिए आपको कुछ कदम उठाने की जरूरत है। हालांकि यह उतना मुश्किल भी नहीं है। अगर आप अपने पार्टनर से कुछ सवाल पूछती हैं तो इससे आपको अपने पार्टनर को समझने में आसानी होती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ सवालों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको एक न्यू रिलेशन में जरूर पूछने चाहिए

आपकी बकेट लिस्ट में क्या है?

हर किसी के पास उन चीजों की एक सूची होती है जिन्हें वे अपने जीवन में करना चाहते हैं। भले ही उन्होंने वास्तव में इसके लिए पहले से तैयारी की हो या नहीं। लेकिन फिर भी उनके कुछ सपने जरूर होते हैं। इस सवाल से आपको अपने पार्टनर के सपनों को समझने में आसानी होगी। आपको समझ में आएगा कि वह अपने जीवन से क्या चाहते हैं। इस तरह आप कहीं ना कहीं अपने और उनके सपनों की कम्पैटिबिलिटी को भी चेक कर सकती हैं।

आप हमेशा कहाँ घूमना चाहते हैं?

जब आप अपने पार्टनर से उनके ट्रेवल प्लॉन और ट्रेवल संबंधित पसंद के बारे में पूछती हैं तो इससे आपको समझ में आता है कि उन्हें कैसी जगहें अधिक पसंद है। मसलन, उन्हें गर्मी पसंद है या ठंड। क्या उन्हें शहरों में घूमना अच्छा लगता है या फिर बीच पसंद है या फिर वह वाइल्ड लाइफ को अधिक प्राथमिकता देते हैं। इससे आपको एक साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने में भी मदद मिलती है। साथ ही आपको उनके व्यक्तित्व के बारे में भी पता चलता है।

अगर आप अपने बारे में एक चीज बदल सकते हैं, तो यह क्या होगा?

यह एक बेहद ही दिलचस्प सवाल है और जब आप अपने पार्टनर से यह सवाल पूछती हैं तो इससे आपको पता चलता है कि क्या वह खुद में बदलाव कर सकते हैं। दूसरे शब्दो में, आपके साथी में खुद के बारे में कुछ बदलने की शक्ति है या नहीं। दरअसल, एक रिलेशन को सक्सेसफुल बनाने के लिए कई बार खुद में कई बदलाव करने पड़ते हैं और यह तभी संभव है, जब आपमें वह शक्ति हो।

क्या आप भविष्य में बच्चे चाहते हैं?

यह एक बेहद ही सामान्य प्रश्न लगता है, लेकिन अगर आप अपने पार्टनर के साथ अपनी पूरी लाइफ देख रही हैं तो ऐसे में यह सवाल जरूर पूछना चाहिए। इससे आपको यह समझने में आसानी होगी कि अपनी फैमिली प्लानिंग और मैरिज के लेकर उनके क्या प्लॉन है या फिर जब आप उनसे शादी करेंगी तो आप दोनों का एक-दूसरे के करियर और फैमिली प्लॉनिंग के बीच क्या रवैया होगा।

किस चीज ने आपको सबसे पहले आकर्षित किया?

यह कोई संदेह नहीं है कि यह सवाल आपके पार्टनर को एक बार के लिए आश्चर्यचकित जरूर करेगा। हो सकता है कि आपके सवाल पूछने से वह हैरान हो जाएं। लेकिन इससे आपको अपनी छिपी हुई क्वालिटीज को जानने में मदद मिलेगी। वैसे हो सकता है कि आपका पार्टनर भी आपसे यह सवाल पूछ लें, इसलिए आप भी अपने पार्टनर को इसका जवाब देने के लिए तैयार रहें।

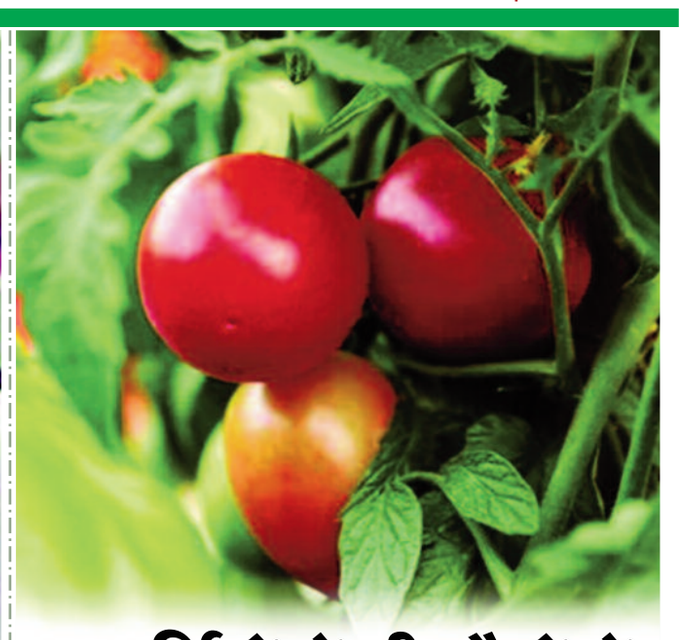

गर्मियों में भी पौधों में चाहिए ज्यादा फल और फूल तो अपनाएं ये आसान गार्डनिंग हैक्स

अगर आप गर्मियों में गार्डनिंग के बारे में सोचकर परेशान हो रहे हैं तो ये कुछ आसान टिप्स आपके गार्डन को इस मौसम में भी हरा-भरा रखेंगी।

गर्मियां में स्किन से लेकर गार्डन तक और किचन से लेकर बाथरूम तक हमें कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। गर्मियों के समय हमारे गार्डन के पौधे भी खराब होने लगते हैं और ये वो समय है जब कई लोगों की शिकायत होती है कि कितनी भी मेहनत कर लें पर न तो पौधों में फल आते हैं, न ही फूल आते हैं। गर्मियों के समय दोपहर में एसी या कूलर ऑन करके सोना अच्छा लगता है, लेकिन हमारे गार्डन में मौजूद पौधे बाहर की धूप में झुलस रहे होते हैं। गर्मियों में इस तरह की समस्या से बचने के लिए आप कुछ टिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये टिप्स आपके पौधों को कई सारी समस्याओं से बचा सकती हैं। गर्डनिंग करते समय आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा कि ये मौसम बहुत खराब होता है और पौधों को पूरी तरह से झुलसा सकता है इसलिए अगर कोई नया पौधा इस सीजन में लगाने के बारे में सोच रही हैं तो वो लगाएं जो इसी सीजन के हों। कैक्टस, समर फ्लावर, हर्ब्स, नींबू, लिली बल्ब्स आदि इस सीजन में लगाए जा सकते हैं। जो पौधे पहले से ही लगे हुए हैं उनके लिए कुछ खास टिप्स फॉलो करें।

पौधों के लिए शेड बनाएं

ये सबसे आसान और सबसे असरदार ट्रिक साबित हो सकती है जिससे आप अपने पौधों को बचा सकती हैं। ये आपके गार्डन के लिए एक अच्छा मौका हो सकता है। आप शेड क्लॉथ में इन्वेस्ट करें। ये ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही स्टोर्स पर उपलब्ध होते हैं। आपके गार्डन एरिया में कितनी और किस समय धूप आती है इसपर ध्यान देते हुए शेड क्लॉथ की थिकनेस और फैब्रिक का ध्यान रखें। ऐसे सभी पौधे जिन्हें बहुत ज्यादा धूप की जरूरत नहीं होती है उन्हें आप हमेशा शेड के अंदर ही रखें। मॉर्निंग में धूप लगे तो कोई बात नहीं, लेकिन दोपहर की कड़ी धूप में ये पौधे शेड के अंदर होने चाहिए। पौधों की पत्तियां अगर जल जाएंगी तो उनके फूल और फल नहीं आएंगे।

पौधों को पानी देने का समय ध्यान रखें

लोगों को लगता है कि गर्मियों में जब बहुत धूप होती है तब पानी डालना चाहिए ताकि पौधों को ठंडक मिल सके, लेकिन ये सबसे खराब चीज़ है और इससे कई बार पौधे मर भी सकते हैं। दरअसल, पौधों को पानी देने का सही समय सुबह 10 बजे से पहले या फिर शाम को 4 बजे के बाद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि दोपहर में अगर मिट्टी में पानी भरा हुआ रहेगा तो धूप से पानी के भाप बनने का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। ऐसे समय में पौधे न तो पानी एब्जॉर्ब ठीक से कर पाते हैं और उनकी जड़ें सड़ने या फिर ज्यादा गर्मी के कारण उनके खराब होने की गुंजाइश ज्यादा रहती है।

पानी का शावर

ये समय सिर्फ रूट्स को ही पानी देने का नहीं होता बल्कि आपको पत्तियों को भी साफ करना होता है। ऐसे समय में आपको स्प्रिंकलर का इस्तेमाल करना चाहिए। ये न सिर्फ गर्मियों के कीड़ों को दूर रखता है बल्कि इससे आपके पौधों की पत्तियों की सफाई भी हो जाती है।

मिट्टी का मॉइश्चर बरकरार रखें

इसके लिए आप कोकोपीट, वर्मी कम्पोस्ट, रेत और गार्डन सॉइल का अच्छा मिक्सचर बनाएं। ये पानी में मॉइश्चर बनाकर रखने में कामयाब होगा और ये ज्यादा समय तक मिट्टी को पोषण दे पाएगा। आप मिट्टी में फास्फोरस और नाइट्रोजन रिच फर्टिलाइजर भी मिला सकती हैं। जिप्सम सॉल्ट आदि मिलाने के लिए भी ट्राई करें। साथ ही नीम पाउडर की मिलावट भी की जा सकती है जिससे कीड़े दूर रहें।

घर की हर एक चीज समय-समय पर गंदी हो जाती है। इन दिनों गर्मियों का मौसम है। ऐसे में पानी की बोतल भी एक समय के बाद पुरानी और खराब दिखने लग जाती हैं। अगर आप गंदे पानी की बोतल को आसानी से साफ करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल में दिए गए हैक्स की मदद लें। इससे आपकी बोतल पर लगी गंदगी तो साफ होगी ही। साथ ही बोतलें चमक भी उठेंगी।

पानी की बोतलों को नया जैसा बनाने के लिए लें इन ट्रिक्स की मदद

पानी की बोतल को साफ करने के लिए सिरके का घोल आपकी बहुत मदद कर सकता है। इससे बोतल पर लगे वो दाग भी हट जाते हैं जो साबुन से नहीं हटते हैं। सबसे पहले गुनगुना पानी लें और उसमें 3-4 चम्मच सिरका डालें। अब लिक्विड में 1 चम्मच बेकिंग पाउडर डालें और अच्छे से घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को बोतल में डालें और कुछ देर के लिए रखा रहने दें। फिर बोतल को बाहर और अंदर से अच्छे से साफ करें। आपकी बोतल एक बार फिर चमक उठेगी।

डिटर्जेंट का बनाएं घोल

गंदी पानी की बोतलों को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट का घोल भी बना सकते हैं। डिटर्जेंट का घोल बहुत स्ट्रांग होती है जो बोतलों के जिद्दी दागों को आसानी से साफ कर देता है।

बोतल की बदबू कैसे करें दूर

कई बार बोतलों से बदबू आने लग जाती है जिसे साफ करने के लिए आपको बोतल में गर्मा-गर्म पानी डालना है। इससे बोतल की बदबू दूर हो जाती है और आप दोबारा बोतल को यूज कर सकते हैं।

अक्सर किचन के सिंक के नीचे मौजूद खाली जगह को लोग घर के बेकार समान को स्टोर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन किचन को ऑर्गेनाइज रखने और अनावश्यक नुकसान को रोकने के लिए कुछ खास चीजों को किचन सिंक के नीचे स्टोर करने से बचना चाहिए। किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजें खराब कर सकती हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स

किचन सिंक के नीचे लोग डस्टबीन के साथ अक्सर कैमिकल प्रोडक्ट्स जैसे ब्लीच, ड्रेन क्लीनर को भी स्टोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल न करें, इन कैमिकल प्रोडक्ट्स के गिरने से यह पूरे घर में फैलकर बच्चों, पेट्स या घर के बाकी सदस्यों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

किचन सिंक के नीचे ये चीजें स्टोर करने से बचें

बैकअप आइटम

बैकअप आइटम रखने के लिए किचन सिंक के नीचे की ही जगह ज्यादातर इस्तेमाल की जाती है। लेकिन ऐसा करते समय लंबे समय तक लोग इस जगह की साफ-सफाई करना भूल जाते हैं। जिसकी वजह से यहां जर्म्स और बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

टूल्स

किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजें खराब कर सकती हैं। कई बार सिंक से पानी लीक होने पर नीचे रखे इन टूल्स में जंग लग सकता है, जिससे यह जल्दी खराब हो सकते हैं।

ऑयल रैग्स

आग लगने वाले आइटम जैसे थिनर, पॉलिश, पेंट या फर्नीचर पॉलिश आदि किचन सिंक के नीचे स्टोर न करें। ऐसा करने से कई बार आग लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में इन चीजों को ऐसी जगह पर रखें जहां इनके गिरने और फैलने का खतरा कम रहे।

संक्षिप्त समाचार

वित्तीय संस्थानों-बिचौलियों को देनी होगी संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। आतंकी फंडिंग की जांच के लिए देश की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने पूंजी बाजारों, बीमा कंपनियों, ऑनलाइन भुगतान गेटवे मध्यस्थों व क्रिप्टोकरेंसी सेवा प्रदाताओं के लिए ताजा चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी धनशोधन रोधी व आतंकवाद विरोधी फंडिंग व्यवस्था के तहत इनके चैनलों में संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी जांच के लिए जारी की गई है।

नए दिशानिर्देश 2022-23 के दौरान धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत जारी किए गए हैं। इन्हें हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में प्रकाशित किया गया है। ये दिशानिर्देश धनशोधन रोधी और आतंकवाद के फंडिंग का मुकाबला करने (सीएफटी) की व्यवस्था का हिस्सा है। इसके मुताबिक, वित्तीय संस्थानों व बिचौलियों को संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) को एफआईयू के साथ साझा करना जरूरी है। एफआईयू रिपोर्ट का विश्लेषण कर इन्हें विभिन्न जांच एवं खुफिया एजेंसियों से साझा करती है।

ग्राहकों के फंड का नहीं होगा दुरुपयोग- नए दिशानिर्देशों में प्रतिभूति बाजार लेनदेन के संबंध में एफआईयू को जानकारी पाने के तरीके में रणनीतिक बदलाव किया गया है। ये चेतावनी बाजार बुनियादी ढांचा संस्थानों (एमआईआई) यानी शेयर बाजार व डिपॉजिटरी में जोड़-तोड़ की कारोबारी प्रथाएं, स्टॉक ब्रोकर की ओर से ग्राहकों के फंड का दुरुपयोग व बाजार से अलग संदिग्ध लेनदेन जैसे उभरते जोखिमों का समाधान करेंगे।

रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में होगा सुधार - नए दिशानिर्देशों में बताया गया है कि बाजार बुनियादी ढांचा संस्थान किन क्षेत्रों पर ध्यान देंगे। इससे रिपोर्टिंग गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही, एफआईयू को कानून प्रवर्तन एजेंसियों जैसे आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई व डीआरआई के साथ सार्थक खुफिया जानकारी साझा करने में मदद मिलेगी।

डिपॉजिट की सुस्त रफ्तार का असर, लोन पर बैंक उठा सकते हैं कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष में भारतीय बैंकों की ऋण वृद्धि और संपत्ति की गुणवत्ता मजबूत रहेगी, जो मजबूत आर्थिक वृद्धि को दर्शाती है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा है कि बैंक अपनी ऋण वृद्धि को धीमा करने के लिए मजबूर हो सकते हैं क्योंकि डिपॉजिट रकम समान गति से नहीं बढ़ रही है।

एशिया-प्रशांत में बीते वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के बैंकिंग अपडेट में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की निदेशक एसएसईए निकिता आनंद ने कहा कि एजेंसी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में यदि जमा वृद्धि, विशेष रूप से खुदरा जमा, धीमी रहती है, तो क्षेत्र की मजबूत ऋण वृद्धि 16 प्रतिशत से घटकर 14 प्रतिशत हो जाएगी। आनंद ने कहा कि प्रत्येक बैंक में ऋण-से-जमा अनुपात में गिरावट आई है, ऋण वृद्धि जमा वृद्धि की तुलना में दो-तीन प्रतिशत अधिक है।

क्या कहा निकिता आनंद ने- निकिता आनंद ने एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के हाल ही में हुए एक सेमिनार में कहा, हमें उम्मीद है कि बैंक चालू वित्त वर्ष में अपनी ऋण वृद्धि में कमी लाएंगे और इसे जमा वृद्धि के अनुरूप लाएंगे। यदि बैंक ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें थोक धन प्राप्त करने के लिए अधिक भुगतान करना होगा, जिससे लाभप्रदता प्रभावित होगी।झ आम तौर पर, ऋण वृद्धि सबसे ज्यादा निजी क्षेत्र के बैंकों में हुई है। इनमें लगभग 17-18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में 12-14 प्रतिशत की सीमा में ऋण वृद्धि देखी गई है।

केंट आरओ सिस्टम्स के सीएमडी महेश गुप्ता बोले- चुनौतियों को अवसर बनाएं तो जरूर मिलेगी सफलता

नईदिल्ली, एजेंसी। वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स एक जाना-पहचाना नाम है। आज इसके पोर्टफोलियो में वॉटर सॉफ्टनर, किचन अप्लायंसेस, एयर प्यूरीफायर, वैक्यूम क्लीनर, हेल्दी कुकवेयर और होम एंड हाइजीन समेत कई उत्पाद हैं। करीब 1,200 करोड़ रुपये की कंपनी देश के साथ विदेश में भी अपने उत्पाद बेचती है। कंपनी के संस्थापक एवं सीएमडी डॉ. महेश गुप्ता ने कहा कि इस सफर में मुश्किलें तो आईं, लेकिन हमने उन्हें अवसर के रूप में देखा। पानी खराब था, यह मेरे लिए सबसे बड़ा अवसर था। अगर पानी खराब ही नहीं होता तो मैं इस बिजनेस में नहीं होता। दूसरा...पानी को शुद्ध बनाकर लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए, इस पर अध्ययन ही नहीं हुआ। यह हमारे लिए एक और अवसर था। अगर मार्केट बहुत प्रतिस्पर्धी होता है, जहां चार-पांच कंपनियां पहले से हों तो वहां जगह बनाने में काफी समय लगता है। लेकिन, इस बिजनेस में ऐसा नहीं था और हमें खाली मैदान मिला। एक वातावरण मिला, जिसमें हम रिसर्च कर पाए। नई चीजें लेकर आए। इससे लोगों में कंपनी के प्रति भरोसा पैदा हुआ, जो कायम है।

कंपनी के संस्थापक एवं सीएमडी डॉ. महेश गुप्ता ने कहा कि हमने जो भी उत्पाद बनाए, उसमें इनोवेशन व गुणवत्ता का ध्यान रखा गया। हार्ड पानी की समस्या थी, हम सॉफ्टनर लेकर आए। किचन अप्लायंसेस लेकर आए। वेजिटेबल क्लीनर लाए। हमारा मकसद लोगों को स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर उत्पाद मुहैया कराना था न कि सिर्फ लाभ कमाना। जहां तक विस्तार की बात है तो मेरा मानना है कि लोगों को वो सुविधाएं दी जाए, जो उन्हें नहीं मिलती है। हम अपने उत्पाद उनके सामने पेश करते रहेंगे। उन्हें पसंद आया तो हम भी विस्तार करते रहेंगे।

डॉ. महेश गुप्ता ने कहा कि पहले यह समझना होगा कि हम पंखे के कारोबार में क्यों आए। हम कोई बिजनेस लेने नहीं आए। आज पूरे देश में 100 करोड़ पंखे हैं, जो पुरानी तकनीक पर आधारित हैं। इसमें प्रति पंखा 70 वॉट की बिजली खपत होती है। हमारा पंखा 28 वॉट की बिजली से चलता है। अगर पूरे देश के सभी पंखे बदल दिए जाएं तो 500 मेगावॉट के 50 प्लांट जितनी बिजली बचेगी। हमने एक फैसला किया कि हम जो पंखे बनाएंगे, वो बिजली बचाएंगे। इसी मुहिम को लेकर हम इसके अंदर आए। जहां तक संभावनाओं की बात है तो आसमान खुला है। लोगों को जब समझ में आ जाएगा तो वे पुराने पंखे बदलेंगे। जब ये हो जाएगा तो समझूंगा कि महायज्ञ में मैंने भी छोटी सी आहूति डाली है।

हमारा देश एक ऐसे स्तर पर पहुंच गया है, जहां से हमें ऊपर ही जाना है। हमारी अंतरराष्ट्रीय स्थिति बहुत अच्छी है। हमारे पास बड़ा श्रमबल है, जो तकनीकी रूप से काफी सशक्त हैं। उधर, चीन की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। चीन प्लस वन की पॉलिसी से भी हमें लाभ मिलेगा।

डॉ. महेश गुप्ता ने कहा कि हमने ब्लैक एंड डेकर का ब्रांड लाइसेंसिंग लिया है। अच्छे उत्पादों के बावजूद अमेरिका में घुसना मुश्किल है क्योंकि वह सबसे कठिन और मेच्योर मार्केट है। वहां के नियम-कायदे काफी सख्त हैं। अमेरिकी लोगों में काफी जागरूकता है। इसलिए, हमने वहां के सबसे पॉपुलर ब्रांड को साथ लिया। अमेरिकी बाजार में उत्पाद हमारा होगा और ब्रांड ब्लैक एंड डेकर का।

अमेरिका के बाद कनाडा और फिर यूरोप में पंखे लेकर जाएंगे। यूरोप में ग्लोबल वॉर्मिंग शुरू हो गई है। वहां एसी लगाने की जगह नहीं है। इसलिए, नई तकनीक से लैस हमारे पंखे की मांग तो बढ़ेगी ही

एसजीबी...देना पड़ सकता है 30 फीसदी तक कर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की बढ़ती कीमतों ने एक बार फिर से लोगों को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में निवेश के लिए आकर्षित किया है। 14 अप्रैल को सोने की कीमतों के 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक छूने के बाद से अगस्त और सितंबर, 2024 शृंखला के एसजीबी बेचने के लिए बोलियां बढ़ रही हैं। एसजीबी आपको भौतिक सोने से जुड़े भंडारण और शुद्धता की चिंता के बिना डीमैट रूप में निवेश करने की अनुमति देता है। एक बार खरीदा गया बॉन्ड आठ साल बाद ही परिपक्व होता है। हालांकि, आप इसके जारी होने के पांचवें वर्ष के बाद आरबीआई के जरिये भी बेच सकते हैं। आप एसजीबी को पांचवें वर्ष से पहले भी शेयर बाजार में बेच सकते हैं।

आईटीआर में बतानी होगी अन्य कमाई- यदि आप अपनी एसजीबी इकाइयों को एक्सचेंजों पर

बेचने की योजना बना रहे हैं या आपने 2016 में इसमें निवेश किया है तो यह अब परिपक्व हो गई है और आप पैसा ले सकते हैं। लेकिन, इसे भुनाने से पहले आपको इस पर लगने वाले टैक्स को भी जानना जरूरी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आरबीआई किसी पैसे के भुगतान से पहले कर नहीं लगाता है। हालांकि, आपको अपना रिटर्न दाखिल करते समय करों का भुगतान करना होगा। इस ब्याज को आपको कर रिटर्न में अन्य आय के कॉलम में दिखाना होगा।

मान लीजिए कि आपने 2016 वाले बॉन्ड में 2.92 लाख का निवेश किया था। अब आप इसे भुनाना चाहते हैं तो आपको 7.24 लाख रुपये मिलेगा। इसमें सोने के मूल्य के 6.6 लाख रुपये के अलावा 64,152 रुपये का ब्याज शामिल है।

कैपिटल गेन्स पर मिलती है छूट

एसजीबी निवेश अगर आप परिपक्वता तक रखते हैं तो इस पर कैपिटल गेन पर छूट मिलती है। चूंकि आपने बॉन्ड को परिपक्व होने तक अपने पास रखा था, इसलिए आपको सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में प्राप्त 6.6 लाख रुपये पर कोई कर नहीं देना होगा। साल में दो बार मिलने वाला ब्याज आपकी आय में जोड़ा जाता है और टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स लगाया जाता है। इसलिए यदि आप 30 फीसदी के टैक्स दायरे में हैं, तो आपको एसजीबी ब्याज पर भी 30 फीसदी की दर से टैक्स देना होगा। निवेश सलाहकार अर्चना पांडे ने कहा कि एसजीबी हर किसी के निवेश के लिए अच्छा साधन है। इसमें सोने की बढ़ती कीमतों का लाभ मिलने के साथ एक सुनिश्चित ब्याज भी मिलता है। सोने की शुद्धता और इसे रखने की भी चिंता नहीं रहती है।

देश में 10 साल में 300 गुना बढ़ी स्टार्टअप की संख्या, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का दावा है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले 10 साल में देश में स्टार्टअप की संख्या करीब 300 गुना बढ़ी है। 2014 में देश में करीब 350 स्टार्टअप थे। कार्मिक राज्य मंत्री ने रविवार को कहा, आज वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र भारत के पास है। खास बात है कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते यूनिकॉर्न का घर है।यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप कंपनियों को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर से ज्यादा होता है। सिंह ने कहा, मोदी सरकार के आने के बाद से अंतरिक्ष क्षेत्र पर ज्यादा जोर दिया है।इसे निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने के बाद से करीब चार वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या इकाई अंक से बढ़कर तिहरे अंकों में पहुंच गईहै।

इस साल बनेंगे चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था- सिंह ने कहा, मोदी सरकार के प्रयासों से देश 10 साल से कम अवधि में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहा।उम्मीद है कि इस साल हम चौथी व मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बन जाएंगे। सरकार ने 2047 तक भारत को दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

डेटा सेंटर कारोबार पर अडानी समूह का फोकस, 11520 करोड़ का किया इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपन अडानी एंटरप्राइजेज और एजकॉनेक्स की समान हिस्सेदारी वाले ज्वाइंट वेंचर (जेवी) अडानी

कॉनेक्स ने लगभग 1.44 अरब डॉलर (लगभग 11,520 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। डेटा सेंटर बनाने वाली कंपनी ने रविवार को बताया कि यह देश में सबसे बड़ा पर्यावरण अनुकूल फंडिंग है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि फंडिंग की शुरुआती प्रतिबद्धता 87.5 करोड़ डॉलर है, जिसे 1.44 अरब डॉलर तक बढ़ाया जा सकता है। इस फंड से अडानी कॉनेक्स के पास निर्माण के लिए वित्तपोषण की राशि बढ़कर 1.65 अरब डॉलर हो गई है।

बता दें कि अरबपति गौतम अडानी के समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अगले तीन साल में अपने नए डेटा सेंटर कारोबार पर लगभग 1.5 अरब डॉलर का निवेश कर रही है। एजकॉनेक्स के साथ इसका ज्वाइंट वेंचर बढ़ती डिजिटल सेवाओं की मांग के लिए इंफ्रा प्रोवाइड करने के लिए 2030 तक एक गीगावाट की कुल क्षमता वाले नौ डेटा सेंटर बनाने की तैयारी कर रहा है। बता दें कि अडानी कॉनेक्स का फिलहाल एक डेटा सेंटर चालू है, जो चेन्नई में है।

आठ बैंकों ने किए समझौते

वैश्विक स्तर पर आठ बैंक- आईएनजी बैंक एनवी, इंटेसा सानपोलो, केएफडब्ल्यू आईपीईएक्स, एमयूएफजी बैंक लिमिटेड, नेटिक्सिस, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, सोसाइटी जेनरल और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन ने अडानी समूह की कंपनी के साथ समझौते किए हैं।

अडानी की कंपनी ने की डील

इस बीच, अडानी ग्लोबल लिमिटेड, मॉरीशस ने यूएई स्थित एसियासॉफ्ट होल्डिंग लिमिटेड से अडानी एसियासॉफ्ट स्मार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड, अबू धाबी में 24,500 डॉलर या लगभग 20 लाख रुपये में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

दावा: रोजगार सृजन में लगातार सुधार, युवा वर्ग में बेरोजगारी सबसे ज्यादा, पर यह अस्थायी; बोलीं एमपीसी सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने कहा, देश के युवा वर्ग में बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। हालांकि, यह अस्थायी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि युवा कौशल हासिल करने व उद्यम शुरू करने में ज्यादा समय लगाते हैं। मजबूत वृद्धि के साथ रोजगार सृजन में लगातार सुधार भी हो रहा है।

उन्होंने कहा, अधिक योग्य लोगों में युवा बेरोजगारी ज्यादा है, लेकिन वे ज्यादा वेतन भी कमाते हैं। इंतजार के दौरान वे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करते हैं या उद्यमिता में जोखिम उठाते हैं। एमपीसी सदस्य ने कहा, बेहतर स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, बीमा, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं के जरिये युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाया जा सकता है। स्थायी सरकारी नौकरियों के जरिये ऐसा संभव नहीं है क्योंकि उनमें ठहराव है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक, भारत में बेरोजगारी दर घटी है। 2019 में यह 17.5 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 10 फीसदी रह गई।

विकसित देशों में निवेश से घट रहा एफडीआई

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) घटने पर गोयल ने कहा, ऐसा इसलिए क्योंकि विकसित देशों में फिर से निवेश के प्रयास हो रहे हैं। वे आर्थिक सुरक्षा बढ़ाने के साथ निवेश को वापस आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। चुनाव से नीतिगत अनिश्चितता भी है। भारत उन निवेश संधियों को सही कर रहा है, जो विदेशी पूंजी की पक्षपाती थीं। भारतीय अदालतों में होने वाली देरी को कम करने की जरूरत है ताकि हमारी कानूनी प्रणाली में विश्वास बेहतर हो सके।

भारत के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल

चीन प्लस वन रणनीति का लाभ उठाने में भारत के सक्षम होने पर गोयल ने कहा, भारत के लिए अमेरिकी ट्रेजरी या अन्य उच्च प्रति व्यक्ति आय वाले देशों की सरकारों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल है क्योंकि वे अलग तरीके से प्रोत्साहन देते हैं। हालांकि, हम वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में घरेलू कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सहयोग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यस बैंक के शेयरों में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। यस बैंक के शेयर आने वाले दिनों में 32 तक पहुंच सकते हैं। बैंक के नतीजे शानदार रहे। यस बैंक ने शनिवार को चौथी तिमाही के नतीजे पेश किए थे। इस घोषणा के बाद सोमवार को सुबह के सौदों में यस बैंक के शेयरों में जबर्दस्त खरीदारी देखी गई।यस बैंक के शेयर आज एनएसई पर 27.50 पर खुले और कुछ ही मिनटों के भीतर 8 फीसद उछलकर 28.55 प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। पिछले एक महीने में यस बैंक के शेयर 13 फीसद से अधिक चढ़ चुके हैं और पिछले छह महीने में 73 फीसद से अधिक का रिटर्न दे चुके हैं। हालांकि, इस साल अबतक केवल 22 फीसद ही चढ़ा है।

नवरत्न का दर्जा पाते ही रॉकेट बने इरेडा के शेयर, 32 रुपये से पहुंचे 190 रुपये के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। इरेडा के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। इरेडा के शेयर सोमवार को 10 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 192 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी (इरेडा) के शेयर शुक्रवार को 170.65 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़े अपडेट के बाद आया है। इरेडा को डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज की तरफ से नवरत्न का दर्जा मिल गया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 215 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 49.99 रुपये है।

इरेडा के शेयरों का दाम आईपीओ में 32 रुपये था। कंपनी का आईपीओ 21 नवंबर 2023 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और यह 23 नवंबर तक ओपन रहा। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी (इरेडा) के शेयर 29 नवंबर 2023 को 50 रुपये के दाम पर बाजार में लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद से कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। इरेडा के शेयर 5 महीने में ही 190 रुपये के पार पहुंच गए हैं। 32 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले इरेडा के शेयर 440 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं।

इरेडा के शेयरों में इस साल अच्छी तेजी आई है। इरेडा के शेयर इस साल अब तक 80 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 104.65 रुपये पर थे। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी (इरेडा) के शेयर 29 अप्रैल 2024 को 192 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, पिछले एक महीने में सरकारी कंपनी इरेडा के शेयरों में 35 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 1 अप्रैल 2024 को 142.65 रुपये पर थे, जो कि अब 192 रुपये पर पहुंच गए हैं। मार्केट एनालिस्ट्स का कहना है कि नवरत्न का दर्जा हासिल करके कंपनी ने बड़ा मुकाम पा लिया है। अब कंपनी को देश और विदेश में कई ज्वाइंट वेंचर्स के लिए सरकार की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी।

नई सरकार के लिए प्रमुख एजेंडे में रहेगा नया पैकेज, लोकसभा इलेक्शन के बाद होगा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार सेमीकंडक्टर कंपनियों के लिए एक नया अरबों डॉलर का प्रोत्साहन पैकेज लाने पर विचार कर रही है। मोदी सरकार ने दिसंबर 2021 में 76,000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। अब इसे बंद कर नया पैकेज लाने की तैयारी है। नया पैकेज पिछले पैकेज से काफी बड़ा होगा। इस पर काम पहले ही शुरू हो चुका है, हालांकि इस संबंध में घोषणाएं लोकसभा इलेक्शन के बाद नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद ही की जाएंगी।

नई सरकार के लिए प्रमुख एजेंडे में रहेगा नया पैकेज- टीओआई के सूत्र के मुताबिक नया पैकेज नई सरकार के लिए प्रमुख एजेंडे में से एक होगा और इसे प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेमीकंडक्टर्स के लिए जो नए प्रस्ताव आ रहे हैं, उनके लिए नए पैकेज की जरूरत है। सूत्र ने कहा, मामले को नई कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। प्रोत्साहन के मामले में राज्य से तुरंत आश्वासन की आवश्यकता होगी। अमेरिका और चीन सेमीकंडक्टर्स इस क्षेत्र में काफी आक्रमाक हैं। दोंनों सेमीकंडक्टर्स में निवेश करने वाली कंपनियों के लिए बहुत बड़े पैकेज की घोषणा की है। अगर भारत की बात करें तो दिसंबर 2021 पैकेज की सफलता सरकार को नए पैकेज पर काम करने के लिए प्रेरित कर रही है।

वर्तमान योजना के तहत केंद्र सरकार पात्र डिस्प्ले और सेमीकंडक्टर फैब्रिकेटर्स को परियोजना की लागत का 50 फीसद तक वित्तीय सहायता देती है। अब आने वाले निवेशों के बाद यह लगभग समाप्त हो गया है। बता दें कई दशकों की कोशिश के बावजूद भारत अपने यहां सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग के लिए कोई विश्वसनीय प्रस्ताव पाने में विफल रहा था। अंततः अमेरिकी कंपनी माइक्रोन ने जून 2023 में गुजरात में 22,500 करोड़ रुपये की टेस्टिंग और पैकेजिंग यूनिट के साथ भारत में एंट्री की।

इसके बाद इस साल फरवरी में लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये के तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में गुजरात के धोलेरा में ताइवानी पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प के साथ भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैब यूनिट स्थापित करने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की 91,000 करोड़ रुपये की परियोजना है।

वहीं, असम के मोरीगांव में टाटा द्वारा ही 27,000 करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट यूनिट और जापान की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स और थाईलैंड के स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ सीजी पावर की 7,600 करोड़ रुपये की परियोजना भी शामिल है।

नए प्रस्तावों की झड़ी- सरकार को जो नए प्रपोजल मिले हैं, उनमें जापानी शार्प द्वारा देश का पहला डिस्प्ले फैब यूनिट प्रस्ताव शामिल है, जिसमें 40,000 करोड़ रुपये तक का निवेश हो सकता है। भारत में निवेश के लिए इजरायल की चिपमेकर कंपनी टॉवर की भी सेमीकंडक्टर की 90,000 करोड़ रुपये की योजना है।

इंटर मियामी की जीत में मेसी ने दागे दो गोल

- न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन को 4-1 से दी शिकस्त

मैसाचुसेट्स (अमेरिका), एजेंसी। विश्व कप विजेता कप्तान मेसी ने अपने शानदार खेल से जिलेट स्टेडियम में 65,612 की संख्या में खचाखच भरे प्रशंसकों को निराश नहीं किया और एक गोल से पिछड़ने के बाद मुकाबले में टीम की दमदार वापसी कराई। उन्होंने मैच में दो गोल दागे। इंटर मियामी के सुपरस्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के मुकाबले में न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के घरेलू मैदान में रिकॉर्ड संख्या में मौजूद दर्शकों के सामने अपनी फुटबाल टीम इंटर

मियामी को 4-1 से जीत दिला दी। विश्व कप विजेता कप्तान मेसी ने अपने शानदार खेल से जिलेट स्टेडियम में 65,612 की संख्या में खचाखच भरे प्रशंसकों को निराश नहीं किया और एक गोल से पिछड़ने के बाद मुकाबले में टीम की दमदार वापसी कराई। उन्होंने मैच में दो गोल दागे। मियामी की टीम मैच के पहले मिनट में ही टॉमस चानकले के गोल के बाद पिछड़ गई थी, लेकिन मेसी ने 32वें मिनट में स्कोर बराबर करने के बाद मैच के 68वें मिनट में बाएं पैर की किक से सत्र का अपना नौवां गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। मियामी के लिए दो अन्य गोल बेंजामिन क्रेमास्ची (83वें मिनट) और मेसी के दोस्त लुईस सुआरेज (88वें मिनट) ने दागे। सुआरेज के गोल में मेसी ने मदद भी की।

नाडा पैनल से हरी झंडी मिलने के बाद इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी हिमा दास

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार धाविका हिमा दास पिछले महीने सुनवाई के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा हरी झंडी दिये जाने के बाद बेंगलुरु में मंगलवार को इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी। भारत की स्टार धाविका हिमा दास पिछले महीने सुनवाई के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा हरी झंडी दिये जाने के बाद बेंगलुरु में मंगलवार को इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी। पीटीआई की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। पिछले साल नाडा ने 12 महीने

में तीन दफा अपने रहने के स्थान की जानकारी देने में विफलता के बाद 24 वर्षीय हिमा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा 30 अप्रैल को होने वाले इंडियन ग्रां प्री 1 की महिलाओं की 200 मीटर रेस की प्रविष्टि सूची में हिमा का नाम शामिल है। भारतीय एथलेटिक्स टीम के एक सूत्र ने पीटीआई को गोपनीयता की शर्त पर कहा, पिछले महीने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल की सुनवाई में उन्हें प्रतियोगित में हिस्सेदारी के लिए हरी झंडी मिल गयी। हालांकि सूत्र ने यह नहीं बताया कि नाडा के पैनल ने उन्हें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की मंजूरी कैसे दी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर का व्यक्तिगत रजत पदक जीता था।

सीएम स्टालिन ने गुकेश को किया सम्मानित, 75 लाख रुपये का दिया इनाम

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन ने रविवार को राज्य के युवा प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ी डी. गुकेश को सम्मानित किया, जो फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के युवा विजेता बने हैं और उन्हें 75 लाख रुपये का चेक, एक प्रशस्ति पत्र और एक शॉल भी भेंट किया। इस दौरान गुकेश के पिता, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. रजनीकांत, माता माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. पद्मावती और राज्य के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन और अन्य भी मौजूद थे, जो सीएम के कैंप कार्यालय में आयोजित किया गया था। कनाडा में टूर्नामेंट में जाने से पहले तमिलनाडु सरकार ने गुकेश को 15 लाख रुपये दिए थे। युवा शतरंज सनसनी विश्व चैम्पियनशिप में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

Uber cup: भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का शानदार प्रदर्शन जारी

क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई चैंपियन भारत ने पहले मुकाबले में कनाडा को 4-1 से मात दी थी। भारत ने इसके बाद दूसरे मैच में भी शानदार प्रदर्शन दिखाया और पहले ही मैच में अश्मिता चालिहा के हारने के बावजूद वापसी करते हुए बाकी सारे मैच जीत लिए। इशारानी बरुआ और अनमोल खरब के चमकदार प्रदर्शन से भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने रविवार को ग्रुप-ए के दूसरे मुकाबले में सिंगापुर को 4-1 से हराकर उबेर कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई चैंपियन भारत ने पहले मुकाबले में कनाडा को 4-1 से मात दी थी। भारत ने इसके बाद दूसरे मैच में भी शानदार प्रदर्शन दिखाया और पहले ही मैच में अश्मिता चालिहा के हारने के बावजूद वापसी करते हुए बाकी सारे मैच जीत लिए। शीर्ष खिलाड़ियो की अनुपस्थिति में खेल रही युवा और कम अनुभवी भारतीय टीम के लिए यह शानदार सप्ताह रहा। खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर कौशल और गजब का जज्बा दिखाते हुए पहले दो मुकाबले जीत लिए। चीन ने ग्रुप-ए के अन्य मुकाबले में कनाडा को 3-0 से शिकस्त दी और यह नतीजा भारत के लिए क्वार्टर फाइनल में स्थान पक्का करने के लिए काफी था। दो जीत से भारत अब ग्रुप-ए में चीन की पीछे दूसरे स्थान पर काबिज है। दोनों टीमों मंगलवार को अंतिम ग्रुप मैच में एक दूसरे से भिड़ेंगी जिससे शीर्ष स्थान का फैसला होगा।

भारत ने की बेहतरीन वापसी- चालिहा ने शनिवार को कनाडा की मिचेल ली को हराकर उलटफेर किया था, लेकिन वह दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी यिओ जिया मिन से 15-21, 18-21 से हार गईं। हालांकि, राष्ट्रीय चैंपियन प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की 67वीं रैंकिंग की जोड़ी ने पहले महिला डबल्स में जियाओ एन हेंग और जिन यु जिया पर 21-15, 21-16 से जीत दर्ज कर भारत की वापसी कराई। इशारानी ने दूसरे सिंगल्स मैच में इनसिराह खान को 21-13, 21-16 से मात देकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

अनमोल ने सुनिश्चित की भारत की जीत

सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर की 64वीं रैंकिंग की जोड़ी ने यि टिंग एल्सा लाई और जान मिचेल की जोड़ी को 21-8, 21-11 से शिकस्त देकर भारत को 3-1 की अजेय बढ़त दिलाई। इसके बाद उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी अनमोल ने तीसरे सिंगल्स मुकाबले में लि जिन मेगान को 21-15, 21-13 से हराकर भारत की 4-1 से जीत शुनिश्चित की। भारत ने उबेर कप में तीन बार 1957, 2014 और 2016 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024

टी20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

IPL से बाहर हुए धोनी के इस धुरंधर की भी एंट्री

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. उनकी इस 15 सदस्यीय टीम की कमान केन विलियमसन के हाथों में ही होगी. इस बार टी20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में जून में होगा. विलियमसन का ये छठा और बतौर कप्तान

चौथा टी20 वर्ल्ड कप होगा. वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. टीम में डेवॉन कॉन्वे की वापसी हुई है, जो चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर हो गए थे. कॉन्वे आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं.

इन स्टार खिलाड़ियों को नहीं मिली टीम में जगह

न्यूजीलैंड टीम में वर्ल्ड कप के लिए टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट को भी मौका मिला है. ऐसे में साउदी अपना सातवां टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगे. तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर काइल जेमिसन और ऑलराउंडर एडम मिल्ने चोट की वजह से टीम से बाहर हैं.

जबकि विल ओ, टॉम लाथम, टिम सीफर्ट और विल यंग के खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें टीम में नहीं चुना गया. सलामी बल्लेबाज कॉलिन मुनरो की वापसी भी नहीं हो पाई. मुनरो की बजाय चयनकर्ताओं ने युवा रन मशीन रचिन रवींद्र को चुना और उनके अलावा तेज गेंदबाज मैट हेनरी को भी शामिल किया गया है. बेन सीयर्स रिजर्व के तौर पर टी20 वर्ल्ड कप टीम के साथ रहेंगे.

इन खिलाड़ियों का वर्ल्ड कप में होगा डेब्यू

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा ने सभी प्लेयर्स को बधाई दी. साथ ही उन्होंने कहा कि वो ये देखने के लिए उत्सुक हैं कि हेनरी और रवींद्र बड़े मंच पर कैसा प्रदर्शन कर सकते हैं. टी20 वर्ल्ड कप में उनका डेब्यू कैसा होता है. टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड का पहला मैच 7 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ गयाना में होगा.

टी20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड का स्क्वॉड

केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी और टिम साउदी.

विराट कोहली ने अपने स्ट्राइक रेट पर दिया मुंह तोड़ जवाब, वर्ल्ड कप से पहले बड़ा बयान

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल:2024 में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बड़ी आसानी के साथ अपने नाम कर लिया। यह इस सीजन आईपीएल में आरसीबी की तीसरी जीत है। इस मैच में विल जैक्स ने शानदार शतक जड़ा जिसके कारण उनकी टीम यह मुकाबला जीत सकी। विल जैक्स के अलावा इस मैच में विराट कोहली ने भी शानदार पारी खेली। विराट आज के मैच में काफी एग्रेशन में नजर आए। विराट कोहली ने इस मुकाबले के बाद कई बड़े बयान दिए। जहां उन्होंने अपने स्ट्राइक रेट के बारे में भी बात कही है।

विल जैक्स पर विराट ने कही ये बात- गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच जीतने के बाद विराट कोहली ने पहले जैक्स पर कहा कि जब जैक्स बल्लेबाजी करने आए थे, तो वह थोड़ा नाराज थे कि वह गेंद को उतनी सफाई से नहीं मार पा रहे थे जितना वह चाहते थे, लेकिन हमारे बीच केवल यही बातचीत हुई थी कि एक दूसरे का समर्थन करते रहें, टिके रहें क्योंकि हम जानते हैं कि वह कितना विस्फोटक हो सकते हैं। जैसे ही उन्होंने मोहित शर्मा के ओवर में काफी रन बनाए मेरी भूमिका पूरी तरह से बदल गई, मुझे खुशी थी कि मैं दूसरे छोर से खेल देख रहा था। मेरा मतलब है, मैंने सोचा था कि हम 19 ओवर में खेल जीत सकते हैं, लेकिन इसे 16 ओवर में समाप्त करना कमाल था।

स्ट्राइक रेट पर क्या बोले कोहली

विराट कोहली ने अपने स्ट्राइक रेट पर हो रही बातों को लेकर कहा कि वे सभी लोग जो स्ट्राइक रेट और मेरे स्पिन को अच्छी तरह से नहीं खेलने के बारे में बात करते हैं, वे वही लोग हैं जो इस बारे में बात करना पसंद करते हैं। लेकिन मेरे लिए, यह टीम के लिए खेल जीतने के बारे में है और एक कारण है कि ऐसा मैं पिछले 15 सालों से कर रहा हूं क्योंकि मैनें दिन-ब-दिन ऐसा ही किया है और आपने टीमों के लिए खेल जीते हैं।

माहेश्वरी ने रजत पदक जीता

निशानेबाजी में 21वां कोटा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की माहेश्वरी चौहान ने दोहा में लुसैल शूटिंग रेंज में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) फाइनल ओलंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप शॉटगन के समापन दिन महिला स्कीट प्रतियोगिता में रजत पदक जीता और इसके साथ ही पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में शूटिंग प्रतियोगिता में भारत के लिए 21वां कोटा स्थान हासिल किया। 60 शॉट के फाइनल में 54 हिट पर बराबरी पर रहने के बाद माहेश्वरी स्वर्ण पदक के शूट-ऑफ में चिली की फ्रांसिस्का क्रोवेटो चाडिड से 3-4 से हार गईं। यह एक शानदार प्रदर्शन था क्योंकि यह जालोर की निशानेबाज के लिए पहला आईएसएसएफ फाइनल था। उनके प्रदर्शन ने भारत को महिलाओं की स्कीट में दूसरा पेरिस कोटा स्थान भी दिलाया। माहेश्वरी ने फाइनल के बाद कहा,मैं रोमांचित हूं। यहां तक पहुंचने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी मेहनत करनी पड़ी है। मैं शूट-ऑफ को लेकर थोड़ा निराश हूं, लेकिन कुल मिलाकर, यह बहुत संतोषजनक रहा। दिन की शुरुआत भारतीय खिलाड़ी के क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहने के साथ हुई, लेकिन अंतिम राउंड में 23 के स्कोर का मतलब था कि वह चौथे स्थान पर रहते हुए शीर्ष छह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी। हालाँकि, उनके 121 अंकों ने उन्हें नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड प्रदान किया।

यह देखते हुए कि चाडिड ने पहले ही प्रतियोगिताओं में कोटा स्थान हासिल कर लिया था और चीन की जियांग यितिंग, छठी क्वालीफायर, अयोग्य थी क्योंकि उनके देश ने पहले ही प्रतियोगिता में अपने कोटा समाप्त कर दिए थे, माहेश्वरी की लड़ाई तीन अन्य लोगों (कजाकिस्तान की असेम ओरीबे, अजरबैजान की रिगिना मेफताखेतदीनोवा और शीर्ष क्वालीफायर स्वीडन की विक्टोरिया लार्सन) के साथ थी।

भारत को वर्ल्डकप जिताने वाले गैरी पाकिस्तान के कोच बने

वनडे और टी-20 टीम को ट्रेनिंग देंगे, गिलेस्पी टेस्ट टीम के कोच नियुक्त

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले कोच गैरी कर्स्टन अब पाकिस्तान की वनडे और अ20 टीम के कोच होंगे। दरअसल, जून में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। ऐसे में पाकिस्तान बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को कोच नियुक्त कर एक बड़ा फैसला किया है। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी को पाकिस्तानी टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया गया है। दोनों को दो साल का कॉन्ट्रेक्ट दिया गया है। अजहर महमूद जिन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए कोच बनाया गया था, सभी फॉर्मेट में सहायक कोच के रूप में काम करते रहेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को यह जानकारी दी।

आर्थर, ब्रैडबर्न और पुटिक ने इस्तीफा दिया- मिकी आर्थर, ग्रांट ब्रैडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने भी हाल ही में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। अप्रैल 2023 में मिकी आर्थर को पाकिस्तान मेंस क्रिकेट टीम का निदेशक नियुक्त किया गया था। ब्रैडबर्न को पिछले साल की शुरुआत में टीम का मुख्य कोच घोषित किया गया था। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू पुटिक अप्रैल 2023 से पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच थे।

फाइनल से पहले भारतीय कोच किए गए थे निलंबित, लगा आर्थिक जुर्माना, फिर भी पदक जीते भारत के तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो मुकाबले के दौरान कोच की मौजूदगी के बावजूद एक अन्य वरिष्ठ कोच भी एफओपी में चले गए। इस पर उन्हें पहली चेतावनी दी गई, लेकिन इस बारे में साथी कोचेज को नहीं बताया गया। विश्व कप में प्रशिक्षकों की भारी भूल के बावजूद तीरंदाजों ने स्वर्णिम प्रदर्शन किया। फाइनल के दौरान भारतीय तीरंदाजों के साथ प्रशिक्षकों को जाने से रोक दिया गया। बावजूद इसके तीरंदाजों ने पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीत विश्वकप में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। आर्चरी फील्ड में एक से अधिक प्रशिक्षकों की मौजूदगी पर आयोजकों ने प्रशिक्षकों को न सिर्फ निलंबित किया बल्कि उन पर आर्थिक जुर्माना भी ठोका है। आयोजकों ने तीसरी चेतावनी में भारतीय कोचेज को आर्चरी फील्ड में जाने से रोका और जुर्माना लगाया।

तीसरी गलती पर की गई कार्रवाई- नियमों के अनुसार आर्चरी फील्ड (एफओपी) में टीम के साथ सिर्फ एक कोच को जाने की इजाजत होती है। यह प्रशिक्षक तीरंदाज के पीछे खड़ा होकर उसे निर्देश देता है।

युवा मुक्केबाजों ने बिखेरा जलवा, जादुमणि-आकाश युवा चैंपियनशिप के[ार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। इससे पहले, शनिवार को जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) भी अगले दौर में पहुंच गए थे। जतिन और यशवर्धन ने अपने-अपने मुकाबले 5-0 के अंतर से जीते, जबकि सागर को वॉकओवर मिला था। एम जादुमणि (51 किग्रा) और आकाश गोरखा (60 किग्रा) रविवार को एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जादुमणि ने अंडर-22 वर्ग के दूसरे दौर में आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने) निर्णय के साथ मंगोलिया के अल्दरखिशिग बटुल्गा को मात दी। आकाश को मंगोलिया के गनबातार गान एर्डीन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाज ने पहले दौर में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 4-1 से जीता। दोनों मुक्केबाज मंगलवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे। इससे पहले, शनिवार को जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) भी अगले दौर में पहुंच गए थे। जतिन और यशवर्धन ने अपने-अपने मुकाबले 5-0 के अंतर से जीते, जबकि सागर को वॉकओवर मिला था। सोमवार को लक्ष्मी (50 किग्रा), तमन्ना (54 किग्रा), यात्री पटेल (57 किग्रा) और श्रुष्टी साथे (63 किग्रा) सहित 11 मुक्केबाज महिलाओं के वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। इनके अलावा बृजेश ताम्ता (48 किग्रा), जितेश (54 किग्रा), सागर जाखड़ (69 किग्रा), सुमित (67 किग्रा), राहुल कुंडु (75 किग्रा), हेमंत सांगवान (86 किग्रा) और लक्ष्य राठी (92 प्लस किग्रा) पुरुष वर्ग में हिस्सा लेंगे। युवा और अंडर-22 वर्ग के फाइनल क्रमश: छह और सात मई को खेले जाएंगे।

अरिजीत सिंह ने पाकिस्तानी अभिनेत्री माहिरा खान से मांगी माफी

माहिरा खान एक पाकिस्तानी अभिनेत्री हैं लेकिन दुनिया भर में उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। उन्हें दुबई में बॉलीवुड गायक अरिजीत सिंह के संगीत समारोह का आनंद लेते हुए देखा गया। गायक ने फिल्म रईस का गाना जालिमा गाया, जिसमें माहिरा की जोड़ी शाहरुख खान के साथ थीं।

वायरल वीडियो में, हम अरिजीत सिंह को दर्शकों के सामने माहिरा खान का परिचय कराते हुए देख सकते हैं। पहली नजर में सिंगर माहिरा को पहचान नहीं पाए। उन्होंने कहा, आप लोग हैरान हो रहे होंगे, क्या मैं खुलासा कर दूं। मुझे बहुत अच्छे तरीके से खुलासा करना चाहिए। क्या हम वहां कैमरा लगा सकते हैं मैं इस शख्स को पहचानने की कोशिश कर रहा था, तभी याद आया कि मैंने उनके लिए गाना गाया है। अरिजीत सिंह ने अपनी बात में जोड़ा, देवियो और सज्जनों माहिरा खान मेरे ठीक सामने बैठी हैं। इस बारे में सोचें कि मैं उनका गाना जालिमा गा रहा था और यह उनका गाना है और वह गा रही थीं और खड़ी थीं और मैं उन्हें पहचान नहीं सका। मुझे माफ कीजिए। मैम आपका आभार और बहुत बहुत धन्यवाद।

दिलजीत ने कनाडा में रच दिया इतिहास

बिक गए कॉन्सर्ट के सारे टिकट, खचाखच भर गया स्टेडियम

दिलजीत दोसांझ कनाडा के बीसी प्लेस स्टेडियम में परफॉर्म करने वाले पहले पंजाबी आर्टिस्ट बन गए हैं। दिलजीत के वेंकूवर वाले कॉन्सर्ट के सारे टिकट सोल्ड आउट हो गए और इतिहास रच दिया। वेंकूवर का बीसी प्लेस स्टेडियम खचाखच भरा था और 55 हजार से ज्यादा लोग वहां पहुंचे। पॉपुलर सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने इतिहास रच दिया है। अमर सिंह चमकीला में अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए तारीफ बटोर रहे दिलजीत ने एक रिकॉर्ड बना दिया है। दिलजीत दोसांझ हमेशा ही अंतराराष्ट्रीय स्तर पर पंजाबी म्यूजिक को प्रमोट करते नजर आते हैं। विदेशों में अपने हर कॉन्सर्ट के साथ दिलजीत दोसांझ ने कुछ न कुछ अनूठा ही किया। इस बार उन्होंने कनाडा के वेंकूवर स्थित बीसी प्लेस स्टेडियम में परफॉर्म किया। इस स्टेडियम में परफॉर्म करने वाले दिलजीत दोसांझ पहले पंजाबी आर्टिस्ट हैं।

पूजा हेगड़े संग रोमांस करते नजर आएंगे नागा चैतन्य

निर्देशक कार्तिक दांडू की आगामी फिल्म में नागा चैतन्य और पूजा हेगड़े की रोमांटिक जोड़ी नजर आएगी। जानें कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग। निर्देशक चंदू मोंडेती की तेलुगु फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य और साई पल्लवी की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म थांडेल के निर्माण जोरो पर है। अब नागा चैतन्य की एक और फिल्म को लेकर खबर सामने आई है कि वह जल्द ही निर्देशक कार्तिक दांडू की एक रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं।

रोमांटिक फिल्म

मीडिया रोपोर्ट्स के अनुसार नागा चैतन्य ने निर्देशक कार्तिक दांडू के साथ एक और फिल्म के लिए हाथ मिला लिया है। यह पूरी तरह से एक रोमांटिक फिल्म होगी। इस फिल्म में नागा चैतन्य अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। इस आगामी फिल्म को लेकर और भी कलाकारों के लिए बीतचीत चल रही है। हो सकता है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 में शुरू हो जाए। हालांकि इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस फिल्म के लिए श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा (एसवीसीसी) द्वारा फंड इकट्ठा किया जाएगा।

नागा चैतन्य

अक्किनेनी नागा चैतन्य एक भारतीय फिल्म अभिनेता हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा अपने अभिनय के लिए जानें जाते हैं। एक्टर अक्किनेनी नागा चैतन्य जानें-मानें साउथ अभिनेता नागार्जुन के बेटे हैं। नागा चैतन्य ने साल 2009 में आयी तेलुगु फिल्म जोश से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और उन्हें साल 2010 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म ये माया चेसावे से सफलता मिली। इस फिल्म का निर्देशन गौतम वासुदेव मेनन ने किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू एक्टर मेल का साउथ फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

वेलकम टू द जंगल में आफताब की हुई एंट्री

वेलकम टू द जंगल को लेकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। इस फिल्म में बड़ी संख्या में सितारे नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अक्षय कुमार की इस फिल्म में अब आफताब शिवदासानी की एंट्री हो गई है। इस बात की पुष्टि खुद अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खास तस्वीर को साझा करते हुए बताया कि फिल्म में वे भी काम कर रहे हैं। आफताब ने 16 साल पहले और 2024 की तस्वीर का कोलाज साझा करते हुए लिखा, पहली और दूसरी तस्वीर 16 साल के अंतराल पर ली गई है। जैसा कि आप देख सकते हैं कि तब से अब तक कुछ भी नहीं बदला है। आवारा को पागल जंगल में इस दीवाने का स्वागत करने के लिए धन्यवाद। इस फिल्म को 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज करने की तैयारी चल रही है। इस फ्रेंचाइजी में अक्षय कुमार ने एक बार फिर वापसी की है। वेलकम के दूसरे भाग में उनकी जगह जॉन अब्राहम नजर आए थे। वेलकम टू द जंगल में सुनील शेट्टी, संजय दत्त, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, जॉनी लीवर, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और राजपाल यादव सहित कई बॉलीवुड अभिनेता अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में अक्षय बड़े मियां छोटे मियां में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे भी मौजूद थे। अच्छी शुरुआत के बाद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लड़खड़ा गई। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छी कमाई नहीं कर सकी है। आगामी प्रोजेक्ट की बात करें तो अक्षय दिनों कई फिल्मों में काम कर रहे हैं। वे फरदीन खान के साथ खेल खेल में दिखने वाले हैं। वहीं, जॉली एलएलबी 3 में भी वे एक बार फिर से वकील की भूमिका में दिखेंगे।

कभी बॉलीवुड कलाकारों के लिए कॉफी आर्डर करती थीं परिणीति, बनना चाहती थीं इन्वेस्टमेंट बैंकर

परिणीति चोपड़ा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। उन्होंने एक अभिनेत्री के रुप में अपनी पहचान सशक्त कर ली है। हालांकि, अभिनेत्री पहले इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं। एक पॉडकास्ट पर उन्होंने इंटर्न से अभिनेत्री बनने के सफर पर बात की है। परिणीति चोपड़ा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बना ली है। अपनी हालिया रिलीज फिल्म चमकीला के लिए उन्हें काफी तारीफें भी मिली हैं। उनकी छवि हिंदी सिनेमा में काफी प्रशंसित और कुशल अभिनेत्री की है। अपनी हालिया रिलीज फिल्म की सफलता का आनंद ले रही इस अभिनेत्री ने अपना करियर एक इंटर्न के तौर पर किया था। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने अपने इंटर्नशिप वाले दिनों का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि वह बॉलीवुड के कई बड़े नामों के लिए कॉफी आर्डर किया करती थीं।

यशराज फिल्म्स में की इंटर्नशिप

परिणीति चोपड़ा हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा शिक्षित कलाकारों में से एक हैं। वह इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं। इस वजह से उन्होंने मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में दाखिला भी लिया। हालांकि, किस्मत ने उन्हें अभिनेत्री बनाने का निश्चय कर लिया था, जिसके बाद वह मुंबई आ गईं। एक दिन वह अपनी बहन प्रियंका चोपड़ा की फिल्म की शूटिंग देखने सेट पर पहुंची थीं, जहां उन्हें मार्केटिंग और पीआर डिपार्टमेंट में जॉब ऑफर हुई। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि यशराज बैनर के लिए काम करने के दौरान उन्होंने रानी मुखर्जी की दिल बोले हड़िप्पा, दीपिका पादुकोण एवं नील नितिन मुकेश की लफंगे परिंदे और अनुष्का-शाहिद की फिल्म बदमाश कंपनी का प्रमोशन भी किया।

आमिर खान ने कहा, दंगल की शूटिंग के दौरान नमस्ते की ताकत का हुआ एहसास

पिछली बार लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाले बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शेयर किया कि उन्हें पंजाब में 2016 की ब्लॉकबस्टर दंगल की शूटिंग के दौरान नमस्ते की ताकत का एहसास हुआ। हाल ही में द ग्रेट इंडियन कपिल शो में दिखाई देने वाले आमिर ने कपिल के साथ विभिन्न विषयों पर बात की, जिसमें उनकी पिछली दो फिल्में लाल सिंह चड्ढा और ठग्स ऑफ हिंदोस्तान भी शामिल थीं, जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने एक मुस्लिम परिवार में पले-बढ़े होने के वाबजूद नमस्ते के सांस्कृतिक महत्व के बारे में खुलकर बात की।

एक यादगार अनुभव को याद करते हुए उन्होंने सबसे पहले पंजाब में रंग दे बसंती की शूटिंग का जिक्र किया। आमिर खान ने कहा, पंजाबी संस्कृति और पंजाब के लोग बहुत अच्छे हैं। जब हम दंगल की शूटिंग एक छोटे से गांव में कर रहे थे, तो वहां हमें किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आई। जब भी हम सुबह फिल्म की शूटिंग के लिए जाते थे तो लोग हाथ जोड़कर नमस्कार करते थे और जब रात में शूटिंग से वापस आते थे तब भी पंजाब के लोग हाथ जोड़कर गुड नाइट किया करते थे। यह सिलसिला तकरीबन डेढ़ माह तक चला। उन्होंने कहा, आप इस पर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन जब मैं सुबह 5 या 6 बजे के आसपास वहां पहुंचता था, तो लोग हाथ जोड़कर सत श्री अकाल कहकर मेरा स्वागत करते थे।

उन्होंने मुझे कभी परेशान नहीं किया, कभी मेरी कार नहीं रोकी। आमिर ने कहा, मैं मुसलमान हूं तो मेरी हाथ जोड़ने की आदत नहीं है। मुझे आदाब करने की आदत है, लेकिन उन डेढ़ महीनों के शूट के दौरान मुझे सिर झुकाकर हाथ जोड़ने की ताकत समझ में आई। पंजाब में ढाई महीने बिताने के बाद, मुझे नमस्ते की ताकत का एहसास हुआ। पंजाब में लोग हर किसी का बहुत सम्मान करते हैं और वह भेदभाव नहीं करते हैं।

मनीषा रानी ने एवरग्रीन सॉन्ग आपकी नजरों ने समझा पर बनाई रील

बिग बॉस ओटीटी 2 की पूर्व प्रतियोगी मनीषा रानी ने अपने नवीनतम वीडियो में पुराने गानों के प्रति अपना प्यार जाहिर किया। मनीषा एवरग्रीन सॉन्ग आपकी नजरों ने समझा गुनगुनाती नजर आईं। मनीषा ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की, जिसमें वह वेलवेट के काले ब्लाउज के साथ नीली ओम्ब्रे-शेड वाली साड़ी पहने हुई थीं। झलक दिखला जा 11 की विजेता ने गाने की कुछ पंक्तियों पर लिप-सिंक की। यह गाना मूल रूप से माला सिन्हा और धर्मेंद्र पर फिल्माया गया था। दिवंगत महान गायिका लता मंगेशकर द्वारा गाया गया आपकी नजरों ने समझा 1962 में रिलीज हुई क्लासिक फिल्म अनपढ़ से है। ट्रैक के बोल राजा मेहदी अली खान द्वारा लिखे गए हैं, और रचना मदन मोहन की है। बिहार के मुंगेर की रहने वाली मनीषा ने 2015 में डांस इंडिया डांस सीजन 5 से शोबिज में अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 2020 के शो गुड़िया हमारी सभी पे भारी में एक छोटी भूमिका में दिखाई दीं।